तापमान
अधिकतम 29 .0 डिग्री
न्यूनतम 7 .6 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 9 नवंबर, 2025

12 लड़कियों में नैंसी व लड़कों में मोहित बने बेस्ट एथलीट

12 रक्त की पूर्ति केवल मानव शरीर से ही संभवः अजय

खबर संक्षेप

यौन शोषण पीड़िता ने आत्महत्या की चेष्टा की

पानीपत। पानीपत रेलवे जंक्शन पर शनिवार दोपहर शौदापुर की एक युवती सुसाइड करने के इरादे से ट्रेन के आगे कूदने की चेष्टा की। वहीं, मौके पर तैनात जीआरपी की महिला कांस्टेबल अंजू बाला ने युवती को पकड लिया और उसे थाने ले आईं। वहीं, थाना प्रभारी चंदन सिंह ने बताया कि कांस्टेगल अंजू बाला ने युवती को शांत किया और उसकी समस्या जानी। इस परजन भी सूचना पर थाने पहुंच गए। वहीं, युवती के पिता ने एक व्यक्ति पर उनकी बेटी के यौन शोषण का आरोप लगाया है, जिसके कारण वह कई दिनों से मानसिक तनाव में थी। इस मामले में परिवार मॉडल टाउन थाने में शिकायत भी दर्ज करा चुका है।

कार की टक्कर से घर के बाहर बच्चे की मौत

पानीपत। पानीपत के गांव नोहरा में शनिवार दोपहर में घर के बाहर खेल रहे सात वर्षीय मासूम कार्तिक पुत्र राजेश कुमार की तेज रफ्तार कार की टक्कर से मौत हो गई। इधर, पुलिस ने कार्तिक की मौत के मामले की जांच शुरू करते हुए कार चालक पर गैर इरादन हत्या के आरोप में केस दर्ज किया। वहीं पुलिस सीसीटीवी की मदद से आरोपी कार चालक की तलाश कर रही है। दूसरी ओर, पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद कार्तिक का शव उसके परिजनों को सौंप दिया। दूसरी ओर, कार्तिक की मौत से उसके परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है और गांव नोहरा में शोक छाया हुआ है।

छह किसानों के खेतों से बिजली की मोटरें चोरी

जींद। गांव मुआना खेतों से बीती रात चोरों ने छह बिजली मोटरों को चोरी कर लिया। सदर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायतों के आधार पर चोरी का मामला दर्ज किया है। मुआना निवासी देवीराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने उसके खेत तथा पांच अन्य पड़ोसियों के खेतों से मोटरों को चोरी कर लिया। घटनाओं का सुबह पता चला जब वे खेतों में पहुंचे। सदर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध हालात में दो युवतियां लापता, केस

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों से दो युवतियों के संदिग्ध हालात में गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। पुलिस मामलो की जांच कर रही है। गांव बहादुरपुर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी बेटी घर कालेज के निकली थी।

विवाहिता दो बेटों संग हुई घर से लापता

कैथल। पुलिस थाना सीवन क्षेत्र के एक गांव से एक विवाहिता अपने दो बेटों के साथ बिना बताए घर से चली गई। इस संबंध में गांव ककहेडी के एक व्यक्ति ने सीवन थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 5 नवंबर को प्रात करीब 10:00 बजे उसकी पत्नी अपने दो बेटों के साथ बिना बताए घर से चली गई तथा अब तक वापस घर नहीं लौटी।

नशे की लत से जूझ रहे युवाओं की काउंसलिंग

कैथल। थाना गुहला की एसएचओ एसआई रेखा एवं चौकी रामथली प्रभारी एएसआई संजय कुमार अपनी टीम सहित गांव खरका पहुंचे। यहां ग्रामीणों एवं युवाओं को नशा के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया तथा समाज को नशे की बुराई से मुक्त रखने में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नशा व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक और सामाजिक पतन कर देता है। यह न केवल परिवार को प्रभावित करता है, बल्कि समाज में अपराध, विवाद और आर्थिक नुकसान का भी प्रमुख कारण बनता है।

यात्रियों के समय व पैसे की होगी बचत

अंबाला से होकर गुजरेगी चौथी 'वंदे भारत ट्रेन'

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज बोले, पीएम मोदी की वजह से देश के विकास को लगे पहिए, चार वंदे भारत ट्रेनों को शुरू किया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि भारत के विकास को पीएम नरेंद्र मोदी की वजह से पहिए लग गए हैं। राष्ट्र दिल की गहराईयों से उन्हें आशीर्वाद दे रहा है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को चार वंदे भारत ट्रेनों को शुरू किया है।

इसमें से एक फिरोजपुर से अंबाला छावनी होते हुए नई दिल्ली तक चलाई गई है। यह ट्रेन महज साढ़े छह घंटे में फिरोजपुर से दिल्ली पहुंचेगी। इतना तेज ट्रेन चलने से लोगों का समय बचेगा और वह अपने कामकाज जल्दी कर सकेंगे। विज शनिवार को अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर फिरोजपुर से दिल्ली तक चलाई गई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर स्वागत के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान मंत्री अनिल विज ने ट्रेन में सवार यात्रियों को गुलाब के फूल देते हुए उनका स्वागत किया। इस अवसर पर अनिल विज, राज्यसभा सांसद कार्तिकेय व नगर निगम की मेयर शैलजा सचदेवा ने वंदे भारत ट्रेन को रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विज ने पत्रकरों से बातचीत के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री ने चार वंदेभारत को शुरू किया है जिनमें एक बनारस से खुजराओं तक, दूसरी लखनऊ से सहारनपुर तक, तीसरी एरनाकुलम से बंगलौर तक और चौथी फिरोजपुर से दिल्ली तक चलाई गई है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब कोयले वाली छूक-छूक गाडिय़ां चलती थी। वंदे भारत चलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस देश में रेलवे को अंतरराष्ट्रीय रेलवे के मुकाबले पर लाकर खड़ा कर दिया है। उन्होंने अनिल विज ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन 160 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलती है। पहले जब वंदे भारत एक्सप्रेस चली थी तो वह रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ अम्बाला से दिल्ली गए थे और तब ट्रेन में उन्होंने चाय पी थी। हाईस्पीड ट्रेन चलने के दौरान चाय की एक भी बूंद ट्रेन में नहीं झलकी थी। यह इस गाड़ी की विशेषता है। उन्होंने कहा यह एसी ट्रेन है जिसमें आरामदायक कोच लगे है और बेहतरीन खाना इसमें दिया जाता है। इस मौके पर राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को और अंबाला को वंदे भारत ट्रेन की सौगात दी हैं। अंबाला को चौथी वंदे भारत ट्रेन मिली है। देश में अब कुल 160 वंदे भारत ट्रेन हो चुकी है, इसका सीधा फायदा आम आदमी को मिलेगा। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेन अत्याधुनिक सुविधाएं से युक्त है, इससे लोगों का समय बचेगा।

- ट्रेन में सवार यात्रियों को गुलाब के फूल देते हुए उनका स्वागत किया

अंबाला। वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाते मंत्री अनिल विज व राज्यसभा सांसद।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर बंतो कटारिया, नगर परिषद् अध्यक्ष स्वर्णजीत कौर, उपाध्यक्ष ललता प्रसाद, भाजपा पदाधिकारी रवि बुद्धिराजा, बीएस बिंद्रा, बिजेंद्र चौहान, बलित नागपाल, प्रवेश शर्मा, बलविन्द्र सिंह शाहपुर, अजय बवेजा, पुनित सरपाल, दीपक भसीन, विशाल घेल, राजकुमार गुप्ता, संदीप सचदेवा, संजय लाकड़ा के साथ-साथ अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

पुलिस से मुठभेड़ में दो बदमाशों को लगी गोली

पानीपत। रोहतक पीजीआई में उपचाराधीन मुठभेड़ में घायल बदमाश।

- एक बदमाश को पुलिस ने दबोचा, हथियार बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत के गांव शाहपुर में जवाहरा मोड़ पर सीआईए वन व बाइक सवार तीन बदमाशों के बीच मुठभेड हो गई। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी और एक को पुलिस टीम ने पीछा कर पकड़ लिया।

पुलिस ने आरोपियों से हथियारों की खेप, जिंदा कारतूस, बाइक बरामद की है। मुठभेड़ में पकड़े गए तीनों आरोपी पर पानीपत के विकास नगर में राजवंती के घर पर फायरिंग कर जान लेवा हमला करने के आरोप में केस दर्ज है। इधर, पुलिस टीम ने घायल बदमाशों को उपचार के लिए पीजीआई रोहतक में भर्ती करवाया गया है। इधर, पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह आईपीएस ने प्रेस वार्ता में बताया कि आप्रेशन ट्रेक डाउन के तहत उनके द्वारा सीआईए वन को उक्त वारदात के आरोपियों की धरपकड़ के निर्देश दिए गए थे। वहीं, गुप्ता सूचना के आधार पर सीआईए वन टीम ने शुक्रवार की रात को गांव शाहपुर में जवाहरा मोड़ पर नाकाबंदी कर दी। इधर, गांव जवाहरा की ओर से एक बाइक आती दिखी। पुलिस टीम ने बाइक चालक को रूकने का इशारा किया। वहीं, आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायर की और बाइक को मोड़ कर परढाना रोड पर दौडा दिया। पुलिस टीम ने आरोपियों का पीछा किया। वहीं पुलिस व बदमाशों के बीच फायरिंग हुई। आरोपियों की पहचान पानीपत के विकास नगर निवासी नवदीप व संदीप और जीन्द के रामयाय गांव निवासी दीपक के रूप में हुई है। आरोपी नवदीप व संदीप के पैर में एक-एक गोली लगी है। पुलिस ने आरोपी दीपक को न्यायालय में पेश किया जहा से उसे तीन दिन के रिमांड पर लिया।

यह है मामला

पानीपत दीपक, नवदीप, संदीप व इनके साथियों पर विकास नगर में सुमित नाम के युवक के मकान में किराये पर निवास कर रही राजवंती पर फायरिंग की थी।

सहकारी चीनी मिल ने घटाया घाटा, 12.72 करोड़ का लाभ

- तीन दिनों में गन्ना भुगतान करने वाली हरियाणा की एकमात्र मिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

द करनाल सहकारी चीनी मिल लिमिटेड की प्रबंध अधिकारी ने बताया कि 3500 टीसीडी क्षमता वाली नई परिष्कृत शुगर मिल ने 8 अप्रैल 2021 से पिराई सत्र आरंभ किया था। इसके बाद से मिल ने अनेक उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में मिल का घाटा 105.33 करोड़ रुपये था, जिसे घटाकर वित्त वर्ष 2024-25 में 53.51 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

यदि सरकार से लिए गए ऋण पर ब्याज और मशीनरी घिसावट का मूल्य हटा दिया जाए, तो मिल अब 12.72 करोड़ रुपये के नकद लाभ पर है। उन्होंने बताया कि यह हरियाणा प्रदेश की एकमात्र सहकारी चीनी मिल है, जो लगातार तीन दिनों के भीतर किसानों का गन्ना भुगतान कर रही है। पिछले दो वर्षों से मिल बिना किसी सरकारी सहायता के अपने स्तर पर किसानों का पूरा भुगतान करती आ रही है। मिल ने सहकारी बैंक से लिए गए गन्ना भुगतान के ऋण को भी पूर्ण रूप से चुकता कर दिया है। जहाँ पहले मशीनरी रखरखाव और कर्मचारियों के वेतन के लिए ऋण लेना पड़ता था, वहीं अब मिल ने अपने संसाधनों से पाँच करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त कर ली है, जो मिल के आरंभ होने तक 15 करोड़ रुपये तक पहुँचने की संभावना है।

गीता जयंती के अवसर पर गीता रन 16 को

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि अंर्तराष्ट्रीय गीता जंयती के अवसर पर होने वाली गीता रन अब तक हुई सभी प्रतियोगिताओं का रिकॉर्ड तोडकर नया रिकॉर्ड कायम करेगी। ये प्रतियोगिता 16 नवंबर 2025 को सुबह 6 बजे गीता रन 2025 के रूप में आयोजित की जाएगी। ये इस गीता रन में कुरुक्षेत्र व आसपास के जिलों से हजारों युवा हिस्सा लेंगे, इनमें खिलाड़ी, विद्यार्थी, एनसीसी व एनएसएस कैडेट्स, युवाओं सहित हर वर्ग के व्यक्ति शामिल होंगे। गीता रन का आयोजन ब्रह्मसरोवर के पुरुतोषमपुरा बाग से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गीता रन 15 नवंबर से शुरू हो रहे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका अदा करेगी।

दंपति से कनाडा का वर्क वीजा के नाम पर ठगी

चार लाख 67 हजार रुपये हड़पने वाले आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

थाना सदर यमुनानगर पुलिस की टीम ने दंपती को कनाडा का वर्क वीजा लगवाने के नाम पर ठगने के आरोपी को लिया प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। आरोपी ने दंपति से चार लाख 67 हजार रुपए ठगे थे। आरोपी धोखाधड़ी के मामले में पंजाब के नाभा जेल में बंद था।

सदर यमुनानगर थाना प्रभारी अजायब सिंह ने बताया कि गांव खंडवा निवासी जगबीर सिंह ने एक जनवरी 2025 को शिकायत दर्ज कराई थी कि वह अपनी पत्नी नीरज रानी के साथ विदेश जाना चाहता था। फेसबुक पर द ओसी एजुकेशन कंपनी का विज्ञापन देखा। जिस पर दिए नंबर पर संपर्क किया तो वहां पर कंपनी के कमलजीत सिंह से बात हुई। जिसने वर्क वीजा पर विदेश भिजवाने का झांसा दिया। आरोपी अगस्त माह में यहां माडल टाउन में आया हुआ था। जहां उससे बात की। जिसने कनाडा का वर्क वीजा लगवाने का झांसा दिया। इसके लिए 20 लाख रुपये का खर्च बताया। आरोपी ने अलग-अलग कर चार लाख 67 हजार रुपये ले लिए। दस्तावेज लेकर वर्क वीजा की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। पत्नी व उसके कनाडा एंबेसी चंडीगढ़ में बायोमीट्रिक भी कराई। छह माह में वीजा लगवाने का वादा किया गया लेकिन तय समय के बाद भी वीजा नहीं लगा। जब भी उनसे काल करते वह टाल मटोल कर देते। रुपये वापस मांगे तो इन्कार कर दिया और धमकी देने लगे। पुलिस ने तफ्तीश शुरू की तो पता लगा कि शिव कुमार इस फर्म का मालिक है। उसने काफी लोगों को इसी तरह से विदेश भेजने के नाम पर ठगा हुआ है। आरोपी धोखाधड़ी के एक मामले में पंजाब की नाभा जेल में बंद है पुलिस ने आरोपी को प्रोटेक्शन डिमांड पर लिया है थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी से मामले में पूछताछ की जाएगी।

- आरोपी धोखाधड़ी के मामले में पंजाब की नाभा जेल में था बंद

यमुनानगर। सदर थाना पुलिस टीम द्वारा प्रोटेक्शन डिमांड पर लिया गया आरोपी।

विदेश भेजने के नाम पर युवक से हड़पे 5.78 लाख रुपये

यमुनानगर। विदेश भेजने के नाम पर कैंप कॉलोनी निवासी सन्नी कुमार से पांच लाख 78 हजार रुपए हड़प लिए गए। आरोप उत्तर प्रदेश के जिला देवबंद निवासी मोहम्मद ताबीश पर लगा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कैंप कॉलोनी निवासी सन्नी कुमार ने गांधीनगर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह 2024 में रोजगार की तलाश में विदेश जाना चाहता था। इस दौरान उसे सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश के देवबंद निवासी मोहम्मद ताबीश लोगों को विदेश भेजने का काम करता है। इस दौरान उसने आरोपी मोहम्मद ताबीश से संपर्क किया। आरोपी ने उसे लक्ष्मी नगर कैंप में मिलने के लिए बुलाया। जब वह आरोपी से मिलने के लिए गया तो आरोपी ने उसे कहा कि वह लोगों को विदेश भेजने का काम करता है। वह उसे भी रोजगार के लिए विदेश भेज देगा। जहां पर उसे नौकरी मिल जाएगी। इस दौरान आरोपी ने उसे विदेश भेजने के नाम पर पांच लाख 78 हजार रुपए तथा उसके दस्तावेज ले लिए। मगर काफी दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी ने उसे विदेश नहीं भेजा। जब उसने इस बारे आरोपी से बात की तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। परेशान होकर उसने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी।

छिब्बर को श्रद्धांजलि देने के लिए सुखमनी पाठ आज

जींद। धर्म पर न्योछावर होने वाले भाई मती दास छिब्बर को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देने के लिए नौ नवंबर रविवार को सुबह रेलवे रोड स्थित दवाइयों की फैक्टरी के पास बजे सुखमनी साहब के पाठ का आयोजन किया जाएगा। सुखमनी साहिब के पाठ के बाद लंगर का आयोजन किया जाएगा।

रोडवेज बस से गिरकर किसान की मौत

अंबाला। बस से गिरकर शहजादपुर के धनाना गांव के संजय कुमार की मौत हो गई। हादसा सिटी के जग्गी सिटी सेंटर के पास शाम को हुआ। मृतक के भाई राजीव कुमार की शिकायत पर बलदेव नगर थाने में मामला दर्ज किया गया है। राजीव कुमार ने बताया कि उनका बड़ा भाई संजय कुमार खेती-बाड़ी का काम करता था। उन्हें बलदेव नगर से अंबाला कैंट जाना था। बलदेव नगर से जब वह हरियाणा रोडवेज की बस में सवार हुए तो बस में काफी भीड़ थी। राजीव ने बताया कि वह तो बस के अंदर घुस गया, लेकिन भाई दरवाजे पर ही खड़ा रह गया। इस दौरान चालक से बस की गति कम करने का आग्रह भी किया गया लेकिन चालक ने इसे अनसुना कर दिया। इस दौरान जब जग्गी सिटी सेंटर के पास चालक ने अचानक बस के ब्रेक लगाए तो उसका भाई संजय कुमार बस से नीचे गिरकर घायल हो गया। बस के रुकते ही भाई को अन्य लोगों की मदद से अंबाला शहर के नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे तो यहां उसने दम तोड़ दिया। राजीव ने बताया कि जिस बस के कारण यह हादसा हुआ था, वह सोनीपत रोडवेज की बस है और इस बस को सोनीपत के मुडलाना का दीपक कुमार चला रहा था।

25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन : श्याम सिंह राणा

प्रदेशभर में मनाया जाएगा गुरु तेग बहादुर का शहीदी दिवस

- हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्यों, अधिकारियों व गणमान्य की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को पूरे प्रदेश में गरिमापूर्ण तरीके के साथ मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में 1 नवंबर से 25 नवंबर तक प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम भव्य तरीके से आयोजित किए जा रहे हैं।

उन्होंने उक्त जानकारी जिला सचिवालय में आयोजित हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्यों, अधिकारियों व गणमान्य की बैठक में दी। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि गुरु तेग बहादुर के जीवन, त्याग और शिक्षाओं से प्रेरणा प्राप्त करने हेतु आयोजित सभी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक स्कूली विद्यार्थियों और नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत 24 नवंबर को कुरुक्षेत्र में सर्व धर्म सम्मेलन आयोजित होगा। वहीं, 25 नवंबर को श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के समापन अवसर पर कुरुक्षेत्र में भव्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

यमुनानगर। जिला सचिवालय में आयोजित सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्यों, गणमान्य व अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा।

एडीसी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया

इस कार्यक्रम के लिए जिला प्रशासन की ओर से अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मौके पर उपायुक्त पार्थ गुप्ता, हरियाणा इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमिशन के सदस्य मुकेश गर्ग, पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर, अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा, जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, सरदार बलदेव सिंह कायमपुरी, डॉ. बीएस गाबा, सरदार परमजीत सिंह, सरदार सुखविंदर सिंह, सतबीर सिंह बिद्रा, सुरेन्द्र पाल सिंह व जसवंत सिंह आदि मौजूद रहे।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि जिला यमुनानगर में साढौरा से 18 नवंबर को श्री गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित विशेष यात्रा निकाली जाएगी जो 24 नवंबर को कुरुक्षेत्र पहुंचेगी। इन कार्यक्रमों में प्रबुद्धजनों, गांवों के सरपंचों, संतों, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों एवं गुरुद्वारा प्रबंधक समितियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। ताकि अधिकाधिक लोग इन पवित्र कार्यक्रमों से जुड़ सकें।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि सभी कार्यक्रम पूरी श्रद्धा, मर्यादा और सम्मान के साथ आयोजित किए जाएं। उन्होंने सरकार व प्रशासन की तरफ से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

कार की टक्कर लगने से छह बकरियों तथा पांच भेड़ों की मौत

यमुनानगर। बूडिया थाना क्षेत्र के गांव नंदगढ़ के पास कार की टक्कर लगने से छह बकरियों तथा पांच भेड़ों की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव नंदगढ़ निवासी मनीष कुमार ने बूडिया पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह भेड़ बकरियों को पालने का काम करता है। वह शाम पौने छह बजे अपनी भेड़ व बकरियों को चराने के बाद घर लेकर लौट रहा था। इस दौरान तेज गति से आ रही कार ने उसकी भेड़ व बकरियों को कुचल दिया। इसके बाद आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया। उसने बताया कि हादसे में उसकी तीन बकरियां तथा तीन बकरियां के बच्चे, चार भेड़ें तथा एक भेड़ के बच्चा की मौत हो गई। उसने हादसे की सूचना पुलिस को दी।

खबर संक्षेप

एचकेआरएन से जोड़े जाने की मांग, दिया धरना

करनाल। हरियाणा सरकार द्वारा सितंबर 2021 में बनाई गई एचकेआरएन पॉलिसी के तहत सभी अनुबंधित कर्मचारियों को पोर्टल पर दर्ज करने की बात कही गई थी, लेकिन रोहतक पीजीआई के 1271 कर्मचारियों को अब तक इससे नहीं जोड़ा गया है। इसी मांग को लेकर ये कर्मचारी बीती तीन अक्तूबर से जिला सचिवालय के सामने धरने पर बैठे हैं। धरने में महिला कर्मचारी भी शामिल हैं जो दिन-रात फुटपाथ पर बैठकर विरोध दर्ज करा रही हैं। अनुबंध कर्मचारी हेल्थकेयर रोहतक एसोसिएशन की ओर से बताया गया कि सरकार ने अब तक कोई सुनवाई नहीं की है, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ रहा है।

धान घोटाले की जांच को लेकर आरोप लगाए

करनाल। भारतीय किसान यूनियन (सर छोटूराम) ने हरियाणा में धान घोटाले की जांच को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यूनियन के प्रवक्ता बहादुर मैहला बलड़ी ने कहा कि जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति हो रही है। जिन अधिकारियों के खिलाफ गड़बड़झाले के आरोप सिद्ध हुए हैं, उन पर केस दर्ज होने के बावजूद अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं की गई है। बहादुर मैहला ने कहा कि भ्रष्ट अधिकारियों को गिरफ्तार कर उनसे रकम की रिकवरी की जानी चाहिए, वरना यह घोटाला दब जाएगा। उन्होंने बताया कि कई जिलों में फिजिकल वेरिफिकेशन के नाम पर भी धोखाधड़ी हो रही है। जिन राइस मिलों में धान कम पाया गया है। वहां बाहर से ट्रकों में धान मंगवाकर मात्रा पूरी करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि मिलों के अंदर जांच टीम काम कर रही होती है और बाहर दूसरे राज्यों से आए ट्रक धान उतारने का इंतजार कर रहे होते हैं।

भूगोल क्विज प्रतियोगिता मेजबान टीम ने जीती ट्रॉफी

करनाल। कुमारी विद्यावती आनंद महिला महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा शनिवार को चौथी राज्य स्तरीय ज्योग्राफी चैंपियंस प्रतियोगिता 'श्रीमती संतोष बिसला ट्रॉफी' का आयोजन किया गया। यह ट्रॉफी वर्ष 2022 में भूगोल विभाग की पूर्व कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. संतोष बिसला के सम्मान में शुरू की गई थी। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मीनू शर्मा ने मुख्य अतिथि संतोष बिसला का स्वागत किया और उन्हें सम्मानित किया। प्रतियोगिता में मेजबान टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी अपने नाम की। जींद राजकीय महाविद्यालय और पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय करनाल ने क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जैवलिन थ्रो पुरुष वर्ग में अनमोल सिंह ने पाया प्रथम स्थान

■ 21वीं वार्षिक एथलेटिक मीट के अंतिम दिन मुख्य रूप से अनाज मंडी के पूर्व प्रधान समय सिंह ने शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंद्री

शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय मटक माजरी इंद्री में दो दिवसीय 21वीं वार्षिक एथलेटिक मीट के अंतिम दिन मुख्य रूप से अनाज मंडी के पूर्व प्रधान समय सिंह ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेन्द्र सिंह बागी ने की। इस मौके पर समय सिंह ने कहा कि खेल केवल जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन में अनुशासन, एकता और आत्मविश्वास विकसित करने का सर्वोत्तम मार्ग हैं। उन्होंने खिलाडिय़ों की मेहनत और टीम भावना की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से निकलने वाली प्रतिभाएं देश का गौरव बढ़ा रही हैं। कार्यक्रम के समापन पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। प्राचार्य डॉ. महेन्द्र सिंह बागी ने अपने संबोधन में खेल भावना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि मनोबल को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों एवं शिक्षकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर महाविद्यालय का शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक सदस्य उपस्थित रहे।

इंद्री। दो दिवसीय वार्षिक एथलेटिक प्रतियोगिता मे हिस्सा लेती प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे परिणाम

100 मीटर दौड़ महिला वर्ग में संजना प्रथम स्थान, लक्ष्मी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हाई जंप महिला वर्ग में निशा प्रथम स्थान, लक्ष्मी द्वितीय स्थान व खुशी तृतीय स्थान पर रही । थ्री लेग्स रेस महिला वर्ग में अंजलि, खुशी प्रथम स्थान, प्रतिष्ठा, सिमरन द्वितीय स्थान संजना, रिया तृतीय स्थान पर रही। हाई जंप में विशेष प्रथम, अरुण द्वितीय एवं कमल तृतीय स्थान पर रहे। डिस्कस थ्रो महिला वर्ग में सिमरन प्रथम स्थान, अंजली द्वितीय स्थान और सुनीता तृतीय स्थान पर रही। डिस्कस थ्रो पुरुष वर्ग में कमल सिंह प्रथम स्थान, विशेष ने द्वितीय स्थान व आर्यन तृतीय स्थान पर रहे। जैवलिन थ्रो पुरुष वर्ग में अनमोल सिंह प्रथम स्थान, हर्षित द्वितीय स्थान,अरुण तृतीय स्थान पर रहे। जैवलिन थ्रो महिला वर्ग में निशा प्रथम स्थान, आरती द्वितीय स्थान व सुनीता तृतीय स्थान पर रही। रिले रेस महिला वर्ग में अंजलि, संजना, रिया, खुशी प्रथम स्थान, प्रतिष्ठा ,सुनीता, सिमरन, निशा द्वितीय स्थान व तमन्ना, अनु, अनुष्का, लक्ष्मी तृतीय स्थान पर रही । महिला टीचिंग स्टाफ सदस्यों की 100 मीटर की दौड़ में डॉ डिंपल प्रथम स्थान, डॉ बोहती ढांडा, द्वितीय स्थान व डॉ सोनिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरुष टीचिंग स्टाफ सदस्य की 100 मीटर की दौड़ में डॉ सुरेश प्रथम स्थान, डॉ कुलदीप द्वितीय स्थान व डॉ नरेश कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिला नॉन टीचिंग स्टाफ की 100 मीटर की दौड़ में हिमानी प्रथम स्थान, रचना ने द्वितीय स्थान व मीनू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरुष नॉन टीचिंग स्टाफ की 100 मीटर की दौड़ में कृष्ण प्रथम स्थान,अंकुर द्वितीय स्थान और श्री राम जी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची

अकबरपुर के खेत में पाराली के स्टॉक में लगी भीषण आग

20 लाख से अधिक का नुकसान, किसानों ने मांगा मुआवजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

जिले के गांव अकबरपुर निवासी किसान पालाराम नंबरदार के खेतों में शुक्रवार रात पाराली के स्टॉक में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते सैकड़ों एकड़ में फैली पाराली की गांठें जलकर राख हो गईं। इस घटना में किसान को करीब 20 लाख रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार, पालाराम धान की फसल कटाई के बाद बचे अवशेषों से पाराली की गांठें बनाकर सरकार को बेचने का कार्य करता है। इस वर्ष सरकार द्वारा पाराली की गांठें नहीं खरीदी जा रही थीं, जिसके चलते उसने अपने खेत में ही करीब 600 एकड़ क्षेत्र में लगभग 12 हजार क्विंटल पाराली का स्टॉक लगा रखा था। शुक्रवार रात अचानक उस स्टॉक में आग भड़क उठी। पाराली सूखी होने के कारण आग ने कुछ ही पलों में पूरे ढेर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें उठती देख आस-पास के किसानों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस व अग्निशमन विभाग को सूचना दी। रात्रि के लगभग 12 बजे पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक पाराली पूरी तरह जल चुकी थी। ग्रामीणों ने भी आग बुझाने में मदद की, परंतु सूखी पाराली के कारण लपटें फैलती चली गईं।

आर्थिक सहायता करे सरकार

पीड़ित किसान पालाराम ने बताया कि आग लगने का कोई स्पष्ट कारण नहीं मिल पाया है। जहां स्टॉक लगा हुआ था वहां न तो बिजली की तारें थीं और न ही कोई ऐसी वस्तु जिससे स्वतः आग लग सके। ऐसे में यह किसी शरारती तत्व की हरकत लग रही है। उन्होंने बताया कि वह पिछले दो वर्षों से पाराली की गांठें बनाकर सरकार को बेच रहे थे, परंतु इस बार कोई रिफाइनरी या संस्था गांठें नहीं ले रही थी। यूपी की कुछ चीनी मिलों में थोड़ा बहुत माल गया, मगर शेष स्टॉक बिक नहीं पाया। किसान ने कहा कि उसने अपनी सारी जमा पूंजी इस काम में लगा दी थी, लेकिन अब सबकुछ राख हो गया है। पीड़ित ने प्रशासन और सरकार से मुआवजे की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह उसकी साल भर की मेहनत और पूंजी का अंत है, इसलिए सरकार उसकी आर्थिक सहायता करे, ताकि वह फिर से खेती में खड़ा हो सके।

सैनिक स्कूल कुंजपुरा में हुआ भव्य पुरातन छात्र सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

■ पुराने साथियों से मिलकर विद्यालय के गौरवशाली इतिहास को याद किया

सैनिक स्कूल कुंजपुरा में आज भव्य पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। देशभर से सैकड़ों ओल्ड कुंजीयन्स इस अवसर पर एकत्र हुए और अपने पुराने साथियों से मिलकर विद्यालय के गौरवशाली इतिहास को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) विशम्बर दयाल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में मेजर जनरल मुकेश भनवाला (सेवारत) उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने विद्यालय की अनुशासनप्रिय परंपराओं, राष्ट्रसेवा के संकल्प और पूर्व छात्रों के योगदान की सराहना की। मुख्य अतिथि मेजर जनरल भनवाला ने कहा कि सैनिक स्कूल कुंजपुरा ने देश को अनेक वीर सैनिक, प्रशासक व समाजसेवी दिए हैं जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में अमिट भूमिका निभाई है। उन्होंने ऐसे आयोजनों को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य कैप्टन (आईएन) गुरबीर सिंह, उप प्रधानाचार्य ले. कर्नल निर्मलजीत सिंह, प्रशासनिक अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर सोनिया शर्मा, वरिष्ठ अध्यापक संजय, शिक्षकगण और वर्तमान छात्र मौजूद रहे।

सीटू ने महिला सफाई कर्मचारियों के उत्पीड़न के विरोध में सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

कामकाजी महिला समन्वय समिति (सीटू) के बैनर तले महिला सफाई कर्मचारियों के साथ रोहतक स्थित एमडीयू विश्वविद्यालय में हुई अमर्यादित घटना के विरोध में उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व सीटू जिला प्रधान बिजनेश राणा ने किया। संचालन सुदेश ने किया। सीटू ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि दोषी ठेकेदारों और अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में कहा गया कि 26 अक्तूबर को राज्यपाल की यात्रा के दौरान सफाई कार्य में लगी महिलाओं के साथ अपमानजनक व्यवहार हुआ। कुछ महिला कर्मचारियों से उनकी व्यक्तिगत जांच करवाई गई और उनके मासिक धर्म से संबंधित तस्वीरें ली गईं, जो अत्यंत शर्मनाक और अमानवीय कृत्य है। बिजनेश राणा, ओ.पी. माटा, जगपाल राणा, मूर्ति, कविता, नीलम, रीना, जगमाल सिंह, सुदेश, सुखविंदर, पार्वती तनेजा, जरासो और ममतेश सहित अनेक महिलाएँ प्रदर्शन में शामिल हुईं।

■ स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन

स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, यह जीवन का अभिन्न हिस्सा: डॉ. रामपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

डीएवी पीजी महाविद्यालय, करनाल में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और रेडक्रॉस इकाई के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद के कुलपति एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी ने विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा और नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जब हम अपने आस-पास स्वच्छता बनाए रखते हैं, तो हम न केवल स्वस्थ वातावरण बनाते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा भी देते हैं। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे इस अभियान को केवल कॉलेज तक सीमित न रखें, बल्कि घर, मोहल्ले और समाज में भी इसे फैलाएँ। डॉ. सैनी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी की भावना जगाते हैं। डॉ. राज्यश्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए और हमें प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना चाहिए। इस अवसर पर एनएसएस अधिकारी डॉ. पूनम वर्मा, रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. बलराम शर्मा, डॉ. अनिता शर्मा, डॉ. प्रियंका, अमित, शिप्रा सहित अन्य शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पं. चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में 'नशा मुक्त हरियाणा' और 'आत्मनिर्भर भारत' पर भाषण प्रतियोगिता

करनाल। पं. चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में 'नशा मुक्त हरियाणा' जागरूकता अभियान और 'आत्मनिर्भर भारत' के विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रेखा त्यागी ने विद्यार्थियों से कहा कि हरियाणा वीरों की भूमि है । 'ना नशा करेंगे, ना करने देंगे।' उन्होंने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने की अपील की। उप-प्राचार्य डॉ. जरनैल सिंह ने युवाओं से शिक्षा और समाज सेवा के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार ढुग्गल ने की। निर्णायक मण्डल में डॉ. आशीष अटल और डॉ. राजेश्वर रहे। भाषण प्रतियोगिता में साहिल प्रथम, लक्ष्य द्वितीय और पुनीता तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नशा मुक्त हरियाणा और आत्मनिर्भर भारत बनाने की शपथ ली। इस अवसर पर डॉ. सरिता आर्य, डॉ. रश्मि सिंह, मोना बत्रा सहित अनेक शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नगर निगम आयुक्त ने अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

■ कार्य में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

उपायुक्त एवं नगर निगम आयुक्त उत्तम सिंह ने निगम अधिकारियों के साथ बैठक कर सभी विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी पूर्ण ईमानदारी से कार्य करें, अन्यथा भ्रष्टाचार या लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। आयुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी अपनी सीट पर समय पर उपस्थित रहें ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। नागरिकों से विनम्रता पूर्वक व्यवहार बनाए रखें। उन्होंने अधीक्षण अभियंता पुनीत कुमार से विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट मांगी और निर्देश दिए कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच की जाए। बैठक में सफाई वाहनों पर निगरानी कैमरे लगाने और उन्हें नगर निगरानी केंद्र से जोड़ने की योजना पर विचार किया गया। साथ ही नगर निगम से जुड़ी शिकायतों के समाधान हेतु एकीकृत नागरिक एप बनाने का भी निर्णय लिया गया, जिसके माध्यम से नागरिक साफ-सफाई, सड़क, जलापूर्ति या प्रकाश संबंधी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। आयुक्त ने कहा कि सभी शिकायतों का निवारण निर्धारित समय में हो और कोई शिकायत लंबित न रहे। उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण पर भी अधिकारी सतर्क निगरानी रखें और नियमों के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें।

नशा तस्करी के जाल को जड़ से खत्म करने में जुटा हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो

करनाल। हरियाणा को नशा मुक्त बनाने की दिशा में राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो ने नशा तस्करी के साइबर और आर्थिक तंत्र पर निर्णायक प्रहार शुरू कर दिया है। पुलिस महानिदेशक ओ.पी. सिंह की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में निर्णय लिया गया कि केवल मादक पदार्थों की बरामदगी ही नहीं, बल्कि तस्करी के स्रोत, धन प्रवाह और नेटवर्क को भी पूरी तरह नष्ट किया जाएगा। वर्ष 2025 के जनवरी से अक्तूबर माह तक ब्यूरो ने 232 प्रकरण दर्ज कर 422 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें 63 वाणिज्यिक मात्रा के मामले थे। इस अवधि में 10.43 करोड़ से अधिक की अवैध संपत्तियाँ जब्त की गईं। जनजागरूकता के तहत जनवरी से अक्तूबर 2025 के बीच 954 कार्यक्रम आयोजित कर 1.72 लाख नागरिकों को नशा विरोधी मुहिम से जोड़ा गया। डीजीपी सिंह ने स्पष्ट किया कि नशा तस्करी के पूरे तंत्र को जड़ से उखाड़ फेंकना ही विभाग का लक्ष्य है, और किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

घरेलू काम के लिए आई महिला से दुष्कर्म के मामले में दोबारा जांच तेज

करनाल। जिले में घरेलू कार्य के लिए एजेंसी के माध्यम से आई एक महिला के साथ दुष्कर्म के मामले की जांच एक बार फिर शुरू कर दी गई है। यह मामला राष्ट्रीय महिला आयोग और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के संज्ञान में आने के बाद दोबारा सक्रिय हुआ है। महिला को एक सर्विस एजेंसी के जरिये झारखंड से करनाल भेजा गया था, जहां वह एक कारोबारी अमित गुप्ता के घर कार्यरत थी। बाद में महिला ने अपने साथ हुई ज्यादती की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच प्रारंभ की थी, लेकिन अब आयोग के हस्तक्षेप के बाद एएसपी स्तर पर पुनः जांच शुरू की गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पहले मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज बयान के बाद महिला का दोबारा बयान कराया गया है। वहीं, करनाल पुलिस ने बताया कि जांच में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में सभी साक्ष्यों की दोबारा समीक्षा की जा रही है। एसपी गंगाराम पूनिया ने कहा कि 'मामले की जांच निष्पक्ष रूप से चल रही है। सभी पक्षों से बयान लिए जा रहे हैं और कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।'

श्रद्धांजलि

देश की तीन युद्धों में दिखाया अदम्य साहस, 1971 की जंग में वीर चक्र से हुए सम्मानित

पूर्व चेयरमैन चौधरी देवी सिंह कल्याण उनके आत्मिक मित्र रहे

देश सेवा और शौर्य के प्रतीक स्वर्गीय ले. कर्नल सुनहरा सिंह वीर चक्र को आज दी जाएगी भावभीनी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

देश सेवा के जज्बे से ओतप्रोत स्वर्गीय लेफ्टिनेंट कर्नल सुनहरा सिंह वीर चक्र भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके शौर्य, अदम्य साहस, राष्ट्र के प्रति गहरे समर्पण और मानवता के प्रति उनके प्रेम की कहानियां आज भी लोगों की जुबां पर हैं। 31 अक्तूबर को 93 वर्ष की आयु में नश्वर संसार को अलविदा कहने वाले ले. कर्नल सुनहरा सिंह को आज 9 नवम्बर 2025 को दोपहर 1 से 2 बजे तक वॉर हीरोज मेमोरियल स्कूल, बसताड़ा (घरौंडा) में भावभीनी श्रद्धांजलि दी जाएगी। वे अपने पीछे डॉ. सुनीता, देवेंद्र सिंह कल्याण (राज्य चुनाव आयुक्त), सरिता एवं कर्नल मनोज केश्वर, सुलेखा एवं राजबीर कादियान, सुखबीर व ऐन मेहला सहित तीन बेटियां व एक बेटा छोड़ गए हैं। पूर्व चेयरमैन चौधरी देवी सिंह कल्याण उनके आत्मिक मित्र रहे, जबकि वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण के परिवार से भी उनका गहरा संबंध रहा। हरविंद्र कल्याण उन्हें स्नेहपूर्वक 'मौसा जी' कहकर संबोधित करते थे।

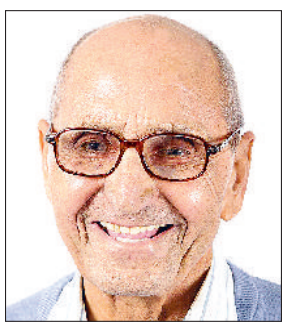

सोनीपत की मिट्टी से निकला एक वीर योद्धा

सोनीपत के मुहाना गांव में संयुक्त परिवार में जन्मे सुनहरा सिंह ने ग्रामीण परिवेश से निकलकर अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर स्कूल व कॉलेज दोनों में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। 1953 में उन्होंने भारतीय सेना को ज्वाइन किया। अपनी काबिलियत के बल पर उन्होंने ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी, चेन्नई से गोल्ड मेडल अर्जित किया। उन्होंने 1962 में चीन, 1965 में पाकिस्तान (माला सेक्टर) और 1971 में पाकिस्तान (गदरा सिटी) के खिलाफ तीन युद्धों में वीरता का परिचय दिया। 1971 की जंग में प्रदर्शित उनके असाधारण शौर्य के लिए उन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति वी. वी. गिरि ने वीर चक्र से सम्मानित किया।

20 हजार युवाओं को दिलाई सेना में भर्ती

सेना सेवा के दौरान 1978 से 1981 के बीच उन्होंने जम्मू क्षेत्र के लिए 20 हजार से अधिक युवाओं को भारतीय सेना में भर्ती कराया। चार दशकों तक सक्रिय सेवा के बाद 1988 में वे सेवानिवृत्त हुए। रिटायरमेंट के बाद भी उन्होंने राष्ट्रसेवा को अपना जीवन-धर्म बनाए रखा। उन्होंने राइजिंग सन स्कूल में 23 वर्षों तक शिक्षा दी और बच्चों में देशभक्ति व अनुशासन की भावना विकसित की। उनके मार्गदर्शन में एनडीए में प्रवेश पाने वाले अनेक विद्यार्थियों ने देश की सेवा में उत्कृष्ट योगदान दिया।

'वॉर हीरोज मेमोरियल स्कूल' जीवन का सबसे बड़ा सपना

80 वर्ष की आयु में भी उनका जोश और देशप्रेम अटूट बना रहा। उन्होंने अपने जीवन का सबसे बड़ा स्वप्न साकार करते हुए वॉर हीरोज मेमोरियल स्कूल, बसताड़ा (घरौंडा) की स्थापना की, जहाँ वे अंतिम समय तक युवाओं को राष्ट्र सेवा का संदेश देते रहे। स्वर्गीय ले. कर्नल सुनहरा सिंह वीर चक्र को उनकी सादगी, वीरता, साहस, शौर्य और देश के प्रति समर्पण के लिए सदैव याद किया जाएगा। सेना में भर्ती कराए गए हजारों युवाओं के परिवार उन्हें एक "पिता समान मार्गदर्शक" के रूप में याद करते रहेंगे।

खबर संक्षेप

शाहपुर में पंजाब के चालक को लूटा

इसराना। पानीपत के गांव शाहपुर में बुआना लाखु मोड पर पिकअप चालक अनिल कुमार निवासी अबोहर, फाजिल्का, पंजाब से कार सवार बदमाशों ने सात हजार रुपये की नगदी व मोबाइल फोन छीन लिया। आरोपियों ने स्वयं का एक हिंदू संगठन के कार्यकर्ता बताया और अपना वाहन जबरन पिकअप के आगे अडा कर लूट की। इधर, इसराना थाना पुलिस ने अनिल की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चोर पिता व पुत्र से जेवर बरामद

पानीपत। सीआईए टू पुलिस टीम ने कच्चा कैंप में आनंद सेठी घर से 15 लाख रुपये व सोने चांदी के जेवरात चोरी करने के आरोप में प्रवीण झा व इसके पुत्र आदित्य निवासी गुरूनानकपुरा को गिरफ्तार किया है। सीआईए टू प्रभारी सुमित ने बताया कि थाना पुराना औद्योगिक में कच्चा सेठी की शिकायत पर कस दर्ज है। वहीं पुलिस ने आरोपी पिता व पुत्र के कब्जे से चोरी की राशि में बचे 80 हजार रुपये, सोने की चेन व अंगूठी बरामद की है।

बंजारा कॉलोनी में जलभराव

पानीपत। इसराना गांव की बंजारा कॉलोनी में पंचायत द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों के बीच लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर सरकार विकास कार्यों को लेकर दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर कॉलोनी के लोग जलभराव और निकासी की समस्या से जूझ रहे हैं। इसराना पुलिस थाने के सामने जीप रोड के पार स्थित बंजारा कॉलोनी में पिछले एक महीने से गली में पानी भरा हुआ है। कॉलोनी निवासियों ने पानी निकासी की मांग की है।

भावना चौक पर दो पक्षों में मारपीट

पानीपत। पानीपत के भावना चौक पर शुक्रवार की देर रात दो पक्षों के बीच मारपीट हुई। मारपीट होने के चलते भावना चौक पर यातायात जाम जैसी स्थिति हो गई। इधर, घटना की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस मौक पर पहुंची। वहीं पुलिस के पहुंचने से पहले ही मारपीट करने वाले फरार हो गए।

चंदौली से किशोरी लापता, केस दर्ज

पानीपत। पानीपत के निकटवर्ती गांव चंदौली से शुक्रवार देर शाम एक मजदूर की 16 वर्षीय बेटी रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने पूरी रात उसकी तलाश की, लेकिन शनिवार सुबह तक कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद लड़की के पिता ने थाना सेक्टर 13-17 में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अक्तूबर क्रांति पर गोष्ठी आयोजित

पानीपत। जब तक दुनिया के किसी भी हिस्से में आदमी के द्वारा आदमी का शोषण और एक देश के द्वारा दूसरे देश का शोषण होगा तब तक अक्तूबर क्रांति की प्रासंगिकता रहेगी। यह विचार सीपीआई के राज्य सचिव का.दरियाव सिंह कश्यप ने आज भगत सिंह स्मारक स्थित स्वतंत्रता सेनानी

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने विजेताओं को पुरस्कृत किया

आर्य कॉलेज ने 11वीं बार जीता इंटर जोनल महोत्सव, 22 में प्रथम तथा 5 में द्वितीय स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

आर्य पीजी कॉलेज में आयोजित कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के 46वें इंटर जोनल युवा महोत्सव का तीसरे दिन शनिवार को भव्य समापन हुआ। आर्य कॉलेज ने 11वीं बार जीता इंटर जोनल महोत्सव, 22 में प्रथम तथा 5 में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तीन दिन चलने वाले इस युवा महोत्सव में लगभग 300 महाविद्यालयों के 2000 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया। वहीं, पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने शिरकत करते हुए विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। महोत्सव के तीसरे दिन विशिष्ट अतिथि के रूप में गीता विश्वविद्यालय, पानीपत के कुलाधिपति एसपी बंसल, आर्य पीजी कॉलेज के पूर्व प्रधान रवींद्र गुप्ता, शीतल दास फाउंडेशन के चेयरमैन कपिल जैन, उद्योगपति संजय अग्रवाल, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के निदेशक डॉ. विवेक , उपनिदेशिका डॉ. सलोनी पवन दीवान, उद्योगपति एवं समाजसवी नितेश मित्तल व सुमित मित्तल का कॉलेज प्रबंधक समिति के प्रधान सुरेंद्र शिंगला ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत व आभार व्यक्त किया।

पानीपत। युवा महोत्सव में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा को स्मृति चिंह भेंट करते हुए प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता तथा युवा महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते हुए विद्यार्थी।

संकल्प से सिद्धि तक की यात्रा में गुरू की भूमिका अहम : ढांडा

पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थी जीवन में हर व्यक्ति के अंदर कुछ कर दिखाने का अद्भुत जज़्बा और जोश होता है। यदि उसी ऊर्जा को सही दिशा में लगाया जाए तो राष्ट्र हमेशा सर्वोपरि रहेगा। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विकसित भारत के जो सपने को साकार करने की बात कही गई है, उसमें युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन को सशक्त बनाने और उन्हें संकल्प से सिद्धि तक की यात्रा में उनका मार्गदर्शन करने में गुरु की भूमिका आधारशिला की तरह होती है। गुरु ही वह शक्ति है जो विद्यार्थी को सही दिशा दिखाकर उसके भीतर की प्रतिभा को निखारता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार राजकीय विद्यालयों और महाविद्यालयों को बेहतरीन सुविधाए देने में हमेशा प्रयासरत रहती है। वहीं, समारोह के अंत में आर्य कॉलेज के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के निदेशक डॉ. राम निवास ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पानीपत। भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेशाध्यक्ष ठाकुर यशपाल राणा नव पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा कार्यकारिणी गठित

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

- क्षत्रिय समाज का प्रदेश क्षत्रिय कार्यक्रम किया जाएगा

पानीपत में हुडा सेक्टर छह स्थित राजपूत भवन में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा हरियाणा की बैठक के दौरान टीम के पदाधिकारी नियुक्त किए गए। जिसमें नीरज राणा को प्रदेश महामंत्री संगठन, सतपाल राणा प्रदेश उपाध्यक्ष, आनंदपाल राणा प्रदेश कोषाध्यक्ष व वीरेंद्र पाल सिंह को जिलाध्यक्ष के नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। सभा के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर यशपाल राणा ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा मानवेंद्र सिंह के आदेश अनुसार प्रदेश की टीम का गठन किया जा रहा है। प्रदेश की टीम होने के बाद क्षत्रिय समाज का प्रदेश क्षत्रिय कार्यक्रम किया जाएगा। जिसमें प्रदेश भर के क्षत्रिय समाज की गण मान्य व्यक्ति भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त सभी पदाधिकारी क्षत्रिय समाज के हित में कार्य करेंगे।

पुरस्कार को आवेदन मांगें

पानीपत। अतिरिक्त उपायुक्त एंव मुख्य परियोजना अधिकारी डॉ. पंकज यादव ने बताया कि नवीन एंव नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरियाणा एंव हरेडा द्वारा राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कारों की एक अनूठी योजना आरम्भ की गई है। इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लिए विभिन्न श्रेणियों के पात्र उपभोक्ताओं से आवेदन आमंत्रित किए गए है। आवेदन करने की अंतिम तिथि छह दिसंबर है। वहीं, इन पुरस्कारों में नकद राशि, शील्ड तथा प्रमाण पत्र प्रदान किये जाते है।

प्रतिभा को पहचान उन्हें आगे बढ़ाएं टीचर

हरिभूमि न्यूज ⏭समालखा

बच्चों में रचनात्मकता की कमी नहीं है। बच्चे आउट ऑफ द बॉक्स सोचते हैं। यह शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों की प्रतिभा को पहचानें। उन्हें उचित अवसर और मंच प्रदान करें। इसलिए समय-समय पर जिला शिक्षा अधिकारियों का भी प्रशिक्षित होना आवश्यक है। यह बात अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) की सचिव प्रो.श्यामा रथ ने कही। वह यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइट) में संबोधित कर रही थीं। पाइट में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) के संयुक्त तत्वावधान में इनोवेशन डिजाइन एवं इंटरप्रन्योरशिप पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशाप संपन्न हुई। हरियाणा के जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया।

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ का जुलूस व प्रदर्शन

पानीपत। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के बैनर तले शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के कैंप कार्यालय में शिक्षकों ने जुलूस निकाल कर प्रदर्शन किया। इधर, संघ के नेताओं ने कहा कि यदि सरकार ने शिक्षकों की मांगों पर शीघ्र सुनवाई नहीं की। तो भ्रष्टाचार और शिक्षा-विरोधी नीतियों के खिलाफ जनवरी में निदेशालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं, प्रदर्शन व सभा को हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के प्रभु सिंह, राज्य महासचिव रामपाल शर्मा, स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सचिव सुरिंद्र कंबोज, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य महासचिव नरेश कुमार, सुख दर्शन, सुनीता, निर्मला, निशा, संदीप सांगवान, गुरमीत, रामेश्वर, कपिल सिरोही, अनिल सैनी, कृष्ण नैन, सुरेन्द्र कंबोज, साधू राम, अक्षय कुमार, जोगिंद्र सिंह,अमरीश त्यागी, शिव कुमार,कश्मीर सिंह, डॉ. ऋषिपाल शास्त्री, सुरजीत दुसाद, रामपाल रामबास, राकेश धनखड़, कृष्ण निर्माण, कृष्ण कायत और वीर सिंह व अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। प्रदर्शन में बडी संख्या में शिक्षकों ने भाग लिया।

पानीपत। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के पदाधिकारी शिक्षा मंत्री के कैंप ऑफिस पर प्रदर्शन करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

भारत जनसंकल्प से बनेगा आत्मनिर्भर राष्ट्र : लाल

पानीपत के गांव ग्वालडा से किवाना तक रन फॉर यूनिटी आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭समालखा

पानीपत जिला के गांव ग्वालडा से किवाना तक रन फॉर यूनिटी यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गांव ग्वालडा में जनसभा भी हुई। वहीं, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय ऊर्जा आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल रहे। जबकि विशिष्ट अथिति के रूप में पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार और विद्यायक मनमोहन भडाना आदि उपस्थित रहे। इधर, कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने की। वहीं, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि इस समय पूरे भारत में रन फोर यूनिटी, आत्मनिर्भर भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में ऐसी तीन तीन यात्राएं निकाली जा रही है। उन्होंने कहा कि यू तो आजादी के बाद ही अनेक विकास कार्य आरंभ कर दिए गए थे, वहीं, गत ग्यारह वर्षों के दौरान जिस तेजी से विकास कार्य करवाए गए उस से भी अधिक तेजी से लोगों के मन में देश भक्ति, राष्ट्रवाद, अंत्योदय की भावना को जाग्रत किया गया। आज देश का हर नागरिक भारत को एक आत्मनिर्भर विकसित राष्ट्र बनते देखना चाहता है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी आत्मनिर्भरता का आधार है जब तक सभी लोग स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल करके विदेशी मुद्रा को बचाने का काम तेजी से नहीं करेंगे, तब तक भारत आत्मनिर्भर विकसित राष्ट्र नहीं बन पाएगा। इस लिए देश के हर नागरिक को स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल अधिक से अधिक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को एक सूत्र में बांधने और राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत बनाने के लिए वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए जाना जरूरी है।

पानीपत। गांव ग्वालडा में जनसभा का अभिवादन करते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल आदि। *फोटो : हरिभूमि*

हरियाणा ओलम्पिक हैंडबाल में छाई अहर की बेटियां

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

हरियाणा ओलम्पिक खेल, गुरुग्राम में आयोजित किया जा रहे हैं। जिसमें जिला पानीपत की हैंडबाल की टीम ने दूसरा स्थान हासिल करके रजत पदक हासिल किया है। इस टीम में पानीपत के ब्लाक इसराना के गांव अहर की सात खिलाड़ी भाग ले रही थी। वहीं गांव के खेल मैदान में ग्रामीणों द्वारा विजेता बेटियों का शानदार स्वागत किया गया। बता दें कि गांव अहर के दो सगे भाइयों रामपाल पहलवान ओर अनिल पहलवान ने सर्कल कबड्डी में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान महाराष्ट्र, हिमाचल के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धूम मचाई है। उन्होंने हरियाणा पुलिस के कार्यरत होते हुए समय निकाल कर गांव की बेटियों के लिए गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अहर के मैदान पर अभ्यास करवाना शुरू किया। जिसका परिणाम अच्छा आ रहा है ओर गांव की बेटियां काजल, नेहा, सपना, अंजू, तमन्ना,सलौनी व मंजू हरियाणा की हैंडबाल टीम का हिस्सा रही हैं।

मौके पर ये मौजूद रहे

इस अवसर पर रामपाल पहलवान, अनिल पहलवान, मांगे राम शास्त्री, सतपाल, संदीप, अनिल, जितेन्द्र, डा. रविन्द्र व सुरेन्द्र आदि मौजूद रहे।

हरियाणा को विकसित करने में जुटी है सैनी सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

भाजपा की पानीपत में शनिवार को भाजपा कार्यालय श्याम कमल में बीएलए-1 की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला हुई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में मंत्री कृष्ण बेदी, मंत्री कृष्ण लाल पंवार, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, डा. अर्चना गुप्ता आदि नेता मौजूद रहे। सभी नेताओं की उपस्थिति में बीएलए-1 को प्रजेंटेशन के माध्यम से कार्यों के बारे में समझाया गया। वंदे मातरम, आत्मनिर्भर भारत रन फॉर यूनिटी कार्यक्रमों की समीक्षा और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में प्रदेश के सभी संगठनात्मक 27 जिलों के जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, प्रदेश पदाधिकारी सभी विधानसभाओं के बीएलए-1 मौजूद रहे। वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने चल रहे कार्यक्रमों में मोर्चों की भूमिका पर भी चर्चा की। आत्मनिर्भर भारत व रन फॉर यूनिटी तथा वंदे मातरम कार्यक्रमों के तहत होने वाले सेमिनारों के बारे में पदाधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने आईटी, सोशल मीडिया के कार्यकर्ताओं को भी जरूरी दिशा निर्देश दिए।

पानीपत। भाजपा कार्यालय में बैठक का दीप जला कर शुभारंभ करते हुए पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल व जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट।

पानीपत के ईशान ने दुबई में गोल्ड मेडल जीता

पानीपत। पानीपत के कलंदर चौक निवासी इशांक आहूजा ने दुबई में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग कंपटीशन में गोल्ड मेडल जीतकर भारत का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया है। ईशान आहूजा आर्ट ऑफ लिविंग संस्था से जुड़े हुए हैं व प्रतिदिन नियमित रूप से अपनी साधना करते हैं। ईशान ने तीन इवेंट्स में हिस्सा लेते हुए 10 मीटर एयर राइफल टीम में गोल्ड मेडल, 19 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम में सिल्वर मेडल, 10 मीटर इंडिविजुअल एयर राइफल में छठा रैंक प्राप्त किया। इधर, आर्ट ऑफ लिविंग हरियाणा स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर कुसुम धीमान ने कहा की संपूर्ण आर्ट ऑफ लिविंग परिवार ईशान की इस उपलब्धि पर अत्यंत गर्व महसूस करता है व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

चैंपियनशिप राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल गांव भंडारी में आयोजित हुई प्रतियोगिता

हरियाणा राज्यस्तरीय सीनियर लेक्रोस चैंपियनशिप का हुआ आगाज

- हरियाणा के 14 जिलों से लगभग 400 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं
- समारोह की अध्यक्षता सुरेंद्र सिंह सरपंच भंडारी ने की
- विशिष्ट अतिथि के रूप में विशाल समाजसेवी, दिल्ली शामिल रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

पानीपत। हरियाणा राज्यस्तरीय सीनियर लेक्रोस चैंपियनशिप में अतिथियों के साथ खिलाड़ी। *फोटो : हरिभूमि*

हरियाणा लेक्रॉस संघ पानीपत एवं लेक्रॉस संघ हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल गांव भंडारी में तीसरी हरियाणा राज्यस्तरीय सीनियर लेक्रोस महिला एवं पुरुष चैंपियनशिप का शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय इस चैंपियनशिप में हरियाणा के 14 जिलों से लगभग 400 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

इधर, उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी सत्यव्रत भाई ग्रीन पार्क, दिल्ली उपस्थित रहे। जबकि समारोह की अध्यक्षता सुरेंद्र सिंह सरपंच भंडारी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विशाल समाजसेवी, दिल्ली शामिल रहे। समारोह का मंच संचालन अंतरराष्ट्रीय कमेंटेटर तिलक राज ने किया। चयन प्रक्रिया चैंपियनशिप संबंधी जानकारी देते हुए लेक्रॉस संघ हरियाणा के महासचिव राजेश टूरण ने बताया कि यह चैंपियनशिप लीग-कम-नॉकआउट आधार पर खेली जा रही है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों का चयन 4 से 7 दिसंबर तक कटरा, जम्मू में आयोजित होने वाले द्वितीय खेल प्रेमी उपस्थित रहे। फेडरेशन कप नेशनल टूर्नामेंट के लिए हरियाणा टीम में किया जाएगा। इस अवसर पर नरेश भोला, पवन धामा, रामरतन धामा, शुगन सिंह शर्मा, मोहित शर्मा, संदीप, सोनू, राहुल, राजपाल, विष्णु, दीपेश, अमन, मोनू एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

ये टीमें जीती

महिला वर्ग के मैचों में पानीपत ने झज्जर को 10-2 से सिरसा ने वारिश अकादमी को 12-7 से जींद ने हिसार को 21-9 से चरखी दादरी ने हिसार को 5-3 से ओर पुरुषों के मुकाबलों में जींद ने भिवानी को 29-3 से हराया।

रैली में देशभक्ति के नारे लगाए

पानीपत। आईबी पीजी कालेज के एनएसएस और एनसीसी स्वयंसेवकों ने वंदे मातरम रैली में भाग लिया। वहीं, प्राचार्या डा. शशि प्रभा मलिक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी ही आईबी कालेज की असली पहचान है। रैली के माध्यम से देश के प्रति एकता, अनुशासन और सेवा का संदेश घर-घर तक पहुंचाएंगे।

जनसेवा का संकल्प ले अधिकारी

पानीपत। जिला उपायुक्त डॉ. वीरेंद कुमार दहिया ने कहा कि जनता की समस्या का समाधान करना ही हमारी प्राथमिकता है। प्रत्येक विभाग आपसी समन्वय से काम करें ताकि शिकायतकर्ता को त्वरित राहत मिल सके। जनता का विश्वास हमारी सबसे बड़ी पूंजी है, और उसका संरक्षण हमारी जिम्मेदारी। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया जाए और हर नागरिक को संतुष्टि मिले।

न्यायालय तहसीलदार-कम-सब-रजिस्ट्रार पानीपत।

जतिन अरोड़ा सुपुत्र स्व. श्री प्रमोद अरोड़ा निवासी मकान नम्बर 16-बी, गोल मार्कीट, माडल टाउन पानीपत व आदि
बनाम
जनरल पब्लिक

इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है जतिन अरोड़ा सुपुत्र स्व. श्री प्रमोद अरोड़ा निवासी मकान नम्बर 16-बी, गोल मार्कीट, माडल टाउन पानीपत आदि ने एक दस्तावेज पंजीकृत हेतू पेश किया है, जिसमे स्पष्ट रूप से बताया गया है कि मृतक श्रीमति कृष्णा रानी धर्मपत्नी श्री कृष्ण लाल की मृत्यु दिनांक 20/11/2011 को हो गई थी। मृतक स्वं श्रीमति कृष्णा रानी धर्मपत्नी श्री कृष्ण लाल के देहान्त के बाद निम्न वारिस उत्तराधिकारी हैं 1. प्रमोद अरोड़ा सुपुत्र 2. विजय कुमार अरोड़ा सुपुत्र 3. पुनम सुपुत्री ही वारिस हैं। यह कि मृतक प्रमोद अरोड़ा का स्वर्गवास दिनाक 14/12/2019 को हो चुका है। मृतक स्वं. प्रमोद अरोड़ा के देहान्त के बाद निम्न वारिस उत्तराधिकारी हैं:- 1 इंदू अरोड़ा विधवा 2. जतिन अरोड़ा सुपुत्र 3. मोहित अरोड़ा सुपुत्र 4. मोनिका अरोड़ा सुपुत्री ही वारिस हैं। यह कि उपर दर्शाये गये वारसानो के अलावा मृतक स्व. श्रीमति कृष्णा रानी धर्मपत्नी श्री कृष्ण लाल का अन्य कोई वारिस उत्तराधिकारी नहीं है, जिसके सम्बंध में प्रार्थी ने शपथपत्र भी प्रस्तुत किया है तथा लोकेश नॉगरू पार्षद वार्ड नम्बर 20 व हल्का पटवारी सुभाष ने भी अपनी रिपोर्ट में उपरोक्त वारिसों की तसदीक की है, इसलिये हर आम व खास को इस इश्तहार/नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त मृतक स्व. श्रीमति कृष्णा रानी धर्मपत्नी श्री कृष्ण लाल के बताये गये वारिस उत्तराधिकारी के बाबत कोई शक एंव एतराज हो तो वह स्वंय/अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरान्त 15 दिन के अन्दर अन्दर कार्यालय में कार्यदिवस के दिन अपनी आपत्ति पेश कर सकता है, अन्यथा उपरोक्त तथ्यों के आधार पर दस्तावेज का पंजीकरण कर दिया जायेगा।
यह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 07-11-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया।

हस्ता/- तहसीलदार-कम-संयुक्त सब रजिस्ट्रार, पानीपत

न्यायालय तहसीलदार-कम सब रजिस्ट्रार, पानीपत

जगदीश गाबा सपुत्र स्वर्गीय श्री होया राम निवासी म0 न0 875/3 पानीपत
बनाम
जनरल पब्लिक

हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि जगदीश गाबा सपुत्र स्वर्गीय श्री होया राम निवासी म0 न0 875/3 पानीपत ने एक दस्तावेज पंजीकृत हेतु पेश किया है। जिसमे स्पष्ट रूप से बताया गया है कि होया राम की दिनांक 08-08-2006 को मृत्यु हो चुकी है व हर देवी की दिनांक 22-12-2015 को मृत्यु हो चुकी है व तगी बाई की मृत्यु होया राम की मृत्यु से काफी अरसा पहले हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरान्त उनके निम्न वारिस/उतराधिकारी है :-
1. जगदीश गाबा सपुत्र, 2. सुरेश कुमार सपुत्र, 3. सुदेश सपुत्री, 4. सरोज रानी धर्मपत्नी श्री राकेश कुमार सपुत्री, 5. दुर्गा सपुत्री, 6. सरोज रानी धर्मपत्नी श्री अशोक कुमार सपुत्री, 7. ममता रानी सपुत्री
इनके ईलावा मृतक का अन्य कोई वारिस/उतराधिकारी नही है। जिसके सम्बन्ध मे प्रार्थी ने शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया है वारसान की तसदीक नवल जिन्दल नगर निगम पार्षद वार्ड न0 9 पानीपत, राजीव नम्बरदार नूरवाला व हल्का पटवारी सुनील द्वारा दिनांक 04-11-2025 को हो चुकी है। इसलिये हर आम व खास को इस इश्तहार/नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त मृतक के बताये गये वारिस/उतराधिकारियों की बाबत कोई शक एंव एतराज हो तो वह स्वंय/अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरान्त 30 दिन के अन्दर - अन्दर उपरोक्त कार्यालय मे कार्य दिवस के दिन अपनी आपत्ति पेश कर सकता है अन्यथा उपरोक्त तथ्यों के आधार पर दस्तावेज का पंजीकरण कर दिया जायेगा।
यह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा किया गया।
क्रमांक 1125 दिनांक 6/11/2025
तहसीलदार-कम सब रजिस्ट्रार, पानीपत

खबर संक्षेप

तेजधार हथियार से हमला करने पर केस

जींद। गांव घिमाना में रंजिशन तेजधार हथियार से हमला कर व्यक्ति को घायल करने पर सदर थाना पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव घिमाना निवासी संतोष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी राजेश परिवार से रंजिश चली आ रही है। उसी रंजिश के चलते राजेश परिवार ने उसके पति राजेंद्र पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया।

रेलगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

कैथल। भगत सिंह कॉलोनी के नजदीक ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हो गई। व्यक्ति रात को रेलवे ट्रैक पर गया था, वह ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। रात करीब 12 बजे यह हादसा हुआ।मृतक की अनुमानित आयु करीब 35 वर्ष आंकी जा रही है। हालांकि अभी उसकी पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन जीआरपी पुलिस लगातार उसकी पहचान करने का प्रयास कर रही है।

पराली जलाने पर तीन किसानों पर मामले दर्ज

जींद। जिला पुलिस ने पराली अवशेष जलाने पर तीन लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए है। कृषि विभाग के नोडल अधिकारी सौरभ ने पुलिस को को दी शिकायत में बताया कि सरकार ने पराली अवशेष जलाने पर रोक लगाई हुई है। बावजूद इसके गांव अलीपुरा निवासी शमशेर ने खेत में पराली को जलाया। वहीं गांव काब्रच्छा निवासी विजेंद्र तथा गांव सिंघाना निवासी देवेंद्र के खेत में भी पराली अवशेष जलाना पाया गया।

शराब तस्कर हथकढ़ी शराब सहित गिरफ्तार

कैथल। सीआईए-1 पुलिस द्वारा 1 आरोपी को काबू कर लिया गया। जिसके कब्जे से 30.25 बोतल शराब बरामद हुई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की सीआईए-1 पुलिस के एएसआई प्रदीप कुमार की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर गांव मालखेड़ी के पास नाकाबंदी की गई। जहां बाइक की टंकी पर एक प्लास्टिक कैनी रखे आ रहे संदिग्ध गांव कालवन जिला जींद निवासी प्रगट सिंह को पुलिस टीम द्वारा काबू कर लिया गया।

पुलिस पर हमला करने की वांछित आरोपी काबू

जींद। सीआईए स्टाफ नरवाना टीम ने ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत कार्रवाई करते हुए वर्ष 2022 में पुलिस पार्टी पर जानलेवा हमला करने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। सीआईए नरवाना प्रभारी एसआई सुखदेव सिंह ने बताया कि दो मई 2022 को सीआईए टीम को सूचना मिली थी कि चार संदिग्ध पीपलथा निवासी राजेंद्र के घर पर छुपे हुए हैं। जो किसी बड़ी लूट व डकैती की वारदात को अंजाम देकर आए हैं।

छात्राओं को गलत इशारे करने वाला आरोपी काबू

कैथल। स्कूल जाने वाली छात्राओं को अश्लील इशारे करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को काबू के लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की कैथल की एक कॉलोनी की 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली नाबालिग युवती की शिकायत अनुसार 7 नवंबर की सुबह वह अपनी छोटी बहन के साथ स्कूल जा रही थी।

काम की तलाश में रूस गया था जावेद, सेना में शामिल होने के बाद लापता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- परिजन बोले रुसी कर्नल ने काम का लालच देकर सेना में करवाया भर्ती, परिजनों से संपर्क टूटा, केंद्र सरकार से लगाई गुहार

काम की तलाश में रूस गए युवक के लापता होने से परिजन सदमे में हैं। युवक रूस में मजदूरी के लिए गया था लेकिन वहां एक कर्नल की बातों में आकर वह रूसी सेना में शामिल हो गया। प्रशिक्षण के कुछ दिनों बाद ही उसे बॉर्डर पर भेज दिया गया। अब 23 दिनों से उसका कोई अता-पता नहीं है।

परिवार ने केंद्र सरकार से अपने बेटे को जल्द से जल्द खोजकर वापस लाने की गुहार लगाई है। यहां का रहने वाला 32 वर्षीय मोहम्मद जावेद अगस्त 2025 में बेहतर कमाई की उम्मीद लेकर रूस गया था। वह अपने परिवार का एकमात्र सहारा था। घर पर बूढ़ी मां, पत्नी, तीन छोटे बच्चे और एक बहन हैं। शुरुआत में जावेद ने रूस में मजदूरी का काम किया, लेकिन कुछ समय बाद ज्यादा पैसों के लालच में वह एक एजेंट के संपर्क में आया। जिसने उसे "रूसी आर्मी में खोदाई (बंकर डिगिंग)" का काम दिलाने का झांसा दिया। जावेद की बहन ने बताया कि रूस में एक कर्नल ने उससे संपर्क किया और सेना में मजदूरी के तौर पर भर्ती होने का प्रस्ताव दिया। कर्नल ने कहा कि उसे सिर्फ बंकर खोदने का काम मिलेगा और इसके बदले में उसे अच्छी तनख्वाह दी जाएगी। जावेद ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और 15 दिन की ट्रेनिंग के बाद उसे बॉर्डर पर भेज दिया गया।

रूस में लापता जावेद का फाइल फोटो।

सुरक्षित भारत लाया जाए

बहन ने बताया कि उसने केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि हमारा भाई मजदूर बनकर रूस गया था, लेकिन उसे युद्ध में धकेल दिया गया। अब हमें नहीं पता वह जिंदा है या नहीं। सरकार से निवेदन है कि हमारे भाई को ढूंढा जाए और सुरक्षित भारत लाया जाए। जावेद के परिजन अब सरकार से मदद की उम्मीद लगाए बैठे हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री से निवेदन करते हैं कि उनके बेटे का पता लगाया जाए। परिजनों ने कहा कि अब उनके घर में केवल दुआएं और आंसू बचे हैं। हर फोन की घंटी पर उम्मीद जगती है कि शायद जावेद का कॉल आया हो लेकिन फिर सन्नाटा छा जाता है।

परिजनों का कहना है कि शुरुआत में जावेद रोजाना परिवार से फोन पर बात करता था। उसने यह भी बताया था कि हालात बेहद कठिन हैं। चारों ओर तनाव का माहौल है। लेकिन 23 दिन पहले आखिरी बार फोन पर बातचीत में जावेद ने सिर्फ इतना कहा- मेरे बच्चों और पत्नी का ख्याल रखना। उसके बाद से परिवार का उससे कोई संपर्क नहीं हो पाया। जावेद की पत्नी और मां का रो-रोकर बुरा हाल है। पत्नी ने बताया कि जब से जावेद गया है, घर की जिम्मेदारियां उस पर आ गई हैं। अब जब उससे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा, तो पूरा परिवार बेचैनी में है। जावेद की मां ने कहा कि वह हर दिन यही दुआ करती हैं कि उनका बेटा सकुशल लौट आए।

विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

लड़कियों में नैंसी व लड़कों में मोहित बने बेस्ट एथलीट

राजकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शहजादपुर

- खेलों से जीवन में अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित

राजकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज प्राचार्य रोहित कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। प्राचार्य ने 39वीं खेल कूद प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की ओर उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को खेलों के माध्यम से टीम भावना, आत्मविश्वास और शारीरिक व मानसिक विकास की प्रेरणा दी और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक फिटनेस का माध्यम हैं, बल्कि जीवन में अनुशासन और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करते हैं। कार्यक्रम में 100 मीटर, 200 मीटर, 800 मीटर दौड़,400 मीटर रिले रेस,लेगेड रेस,गोला फेंक,लांग जंप, हाई जंप,भाला फेंक संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कराई गई।

शहजादपुर। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए प्राचार्य व अन्य। फोटो : हरिभूमि

उत्कृष्ट प्रदर्शन से मोहा मन

विद्यार्थियों में खेल भावना और उत्साह देखते ही बन रहा था। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया और अपने प्रदर्शन से सभी का मन मोह लिया।छात्राओं ने भी कई प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महिला सशक्तिकरण का उदाहरण प्रस्तुत किया। पूरे मैदान में ऊर्जा, उत्साह और प्रतिस्पर्धा का माहौल देखने को मिला। खेल समिति संयोजक प्रो.संजीव कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस दो दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना का विकास करना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है।समापन समारोह में प्राचार्य द्वारा विजेता विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार देकर पुरस्कृत और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया है।इस दो दिवसीय प्रतियोगिताओं में बेस्ट एथलीट लड़कियों में नैंसी व बेस्ट एथलीट लड़कों में मोहित बीए फाइनल ने प्राप्त किया। मंच का संचालन डॉ प्रीति, डॉ जगदीप ने किया।इस खेल कूद प्रतियोगिता के सफल आयोजन में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों व नॉन टीचिंग कर्मचारियों ने अपनी अहम भूमिका निभाई।

सरकारी कार्यालयों पर बेसहारा पशुओं को छोड़ने का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- बोले प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की तो जल्द तेज करेंके अपना आंदोलन

सुप्रीम कोर्ट के बेसहारा पशुओं को लेकर आए फैसले के बाद किसान फिर सक्रिय हो गए हैं। भारतीय किसान यूनियन शहीद भगत सिंह के किसान नेताओं ने शनिवार को मीडिया से बातचीत कर जिला प्रशासन को अल्टीमेटम दिया। किसान नेताओं ने कहा कि अगर प्रशासन ने सड़कों से और गांव से बेसहारा घूमने वाले पशुओं को नहीं हटाया तो वह अपने आंदोलन को तेज करेंगे। इसके साथ ही सरकारी कार्यालयों पर पशुओं को छोड़ने का काम करेंगे।

किसान नेता जय सिंह जलबेड़ा ने कहा की पशु अब सड़कों से होते हुए जिला के सुदूर क्षेत्र में स्थित गांव के खेतों तक पहुंच गए हैं जिला प्रशासन इनके समाधान के लिए अभी तक कोई रास्ता तैयार नहीं कर पाया है। इसी प्रकार धान की पैदावार कम होने को लेकर भी किसानों ने प्रशासन से समीक्षा कराने को कहा है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले भी किसान सड़कों पर घूमने वाले बेसहारा पशुओं को पड़कर जिला प्रशासन के दरवाजे पर छोड़ चुके हैं। उसे दौरान भी अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि पशुओं को पकड़ने का अभियान चलाया जाएगा लेकिन बीते कुछ दिनों से पशुओं को पकड़ने का अभियान ठप पड़ा है।

अवैध नशामुक्ति केंद्र चलाने वाले काबू

बराड़ा। गांव साहा में अवैध नशामुक्ति केंद्र चलाने के मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो लोगों को काबू किया है जिनकी पहचान अक्षय कुमार वासी सिंगपुरा कॉलोनी व हरविंद्र सिंह के रूप में हुई। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेशानुसार जमानत पर रिहा किया गया। सिविल सर्जन प्रतिनिधि ने 29 अगस्त 2025 को थाना साहा में शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी अवतार सिंह व अन्य ने गांव साहा में अवैध रूप से उम्मीद फाउडेंशन नशामुक्ति केंद्र चलाने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत

दूसरा युवक बुरी तरह जख्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

- अंबाला-यमुनानगर हाईवे पर गांव धीन के समीप कार और बाइक की टक्कर

अंबाला-यमुनानगर हाईवे पर गांव धीन के समीप कार और बाइक की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार डुलियाना निवासी 25 वर्षीय मन्नी अपनी बाइक पर मनका-मनकी से दोसड़का की तरफ जा रहा था। धीन गांव पार करते ही पीछे से आ रही कार ने उसे टक्कर दे मारी जिससे जिससे वह नीचे गिर गया, इसी दौरान पैदल चल रहे धीन के करीब 48 वर्षीय सतेन्द्र पाल भी दोनों वाहनों की भिड़ंत का शिकार हो गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को एमएम अस्पताल मुलाना ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने सतेन्द्र पाल को मृत घोषित कर दिया जबकि मन्नी की हालत गंभीर बताई जा रही है। जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर राकेश कुमार ने बताया कि शुरूआत जांच में आया कि मन्नी साहा में किसी कंपनी में काम करता था और उसकी कंपनी मनका मनकी के पास प्लांट लगा रही थी। इसलिए वह मनका मनकी से वापस अपने गांव जा रहा था।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी नबी हसन को गिरफ्तार किया है। परिवादी साहिब सिंह ने 1 नवंबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 27 अक्तूबर 2025 को आरोपी ने सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक अंबाला शहर के पास से उसकी मोटरसाइकिल चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

चोरीशुदा एक्टिवा सहित आरोपी काबू: थाना अंबाला शहर क्षेत्र से चोरीशुदा एक्टिवा बेचने के मामले में पुलिस ने आरोपी कन्हैया उर्फ ननकू को गिरफ्तार किया है। उसे एक दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस दल को सूचना मिली थी कि आरोपी चोरीशुदा एक्टिवा बेचने की फिराक में घूम रहा है। सूचना उपरांत पुलिस ने उसे काबू किया था। उसके कब्जे से चोरीशुदा एक्टिवा जब्त की थी।

- पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ अपने क्षेत्र में कार्य करेंगे

छावनी विधानसभा के बीएलए वन बने विशु धीमान, चित्रा ने दिया नियुक्ति पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

युवा नेत्री चित्रा सरवारा ने अंबाला छावनी विधानसभा क्षेत्र-04 में निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विशेष धीमान 'विशु' को बीएलए-1 के रूप में नियुक्त किया। यह नियुक्ति पत्र चित्रा सरवारा के नेतृत्व में उनके कार्यालय द्वारा जारी किया गया। इस अवसर पर चित्रा सरवारा ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करना और हर मतदाता के अधिकार की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि बीएलए की टीम इस दिशा में पारदर्शिता और जनसहभागिता का प्रतीक बनेगी ताकि मतदाता सूची से लेकर मतदान केंद्र तक निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनी रहे। बीएलए की जिम्मेदारी मतदान सूची के पुनरीक्षण, मतदाता नामांकन, विलोपन और सुधार की प्रक्रिया में सहयोग देना, मतदान केंद्रों पर निगरानी रखना और जनता को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक करना होती है। बीएलए स्थानीय स्तर पर निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करता है और यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से न कटे और कोई भी अपात्र नाम गलत तरीके से शामिल न हो। सरवारा इससे पहले भी मतदाता सूची में अनियमितताओं और कथित वोट चोरी के मामलों को लेकर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा चुकी हैं। यह मामला अभी न्यायिक विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम इस बार किसी भी तरह की अनियमितता को रोकने के लिए बूथ स्तर पर सशक्त नेटवर्क तैयार कर रही है। बीएलए की नियुक्तियां इसी दिशा में एक संगठित प्रयास हैं ताकि हर नागरिक का मत सुरक्षित रहे और लोकतंत्र की साख बनी रहे।

अंबाला। विशु को नियुक्ति पत्र देती चित्रा सरवारा। फोटो : हरिभूमि

लोकतंत्र में जनता की शक्ति सर्वोपरि

नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद विशेष धीमान 'विशु' ने कहा कि उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए वे चित्रा सरवारा के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि वे पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ अपने क्षेत्र में कार्य करेंगे। चित्रा सरवारा ने कहा कि लोकतंत्र में जनता की शक्ति सर्वोपरि है, और वह तभी प्रभावी बनती है जब हर नागरिक अपने अधिकार और जिम्मेदारी दोनों के प्रति सजग हो। उन्होंने कहा कि बीएलए टीम इसी जनजागरूकता और सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करेगी ताकि भविष्य के चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और जनोन्मुख बन सकें।

मिड-डे मील का सामान चोरी

बराड़ा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अधोया का मिड डे मील की रसोई से चोरी की वारदात सामने आई है। स्कूल प्रिंसिपल राजेश पराशर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती 28 अक्तूबर 2025 की रात को विद्यालय बंद होने के बाद किसी चोरों ने मिड डे मील की रसोईघर का ताला तोड़ दिया। रसोईघर का निरीक्षण किया, तो पाया गया कि वहां से एक एलपीजी गैस सिलेंडर, एक 15 लीटर का कुकर, 107 स्टील की प्लेटें और 33 स्टील के गिलास गायब मिले।

मोबाइल और नकदी छीनी

बराड़ा। साहा-तेपला मार्ग पर शुक्रवार को एक व्यक्ति से दो युवकों द्वारा लूटपाट की गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित मुकेश कुमार निवासी अंबाला शहर अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर साहा से तेपला जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने बाथरूम करने के लिए थोड़ी देर के लिए गाड़ी रोकी। तभी दो युवक वहां पहुंचे। उससे छीना-झपटी करने लगे और वह पीड़ित से मोबाइल फोन और 900 रुपये नकदी छीन कर फरार हो गए।

धोखाधड़ी का आरोपी जांच में शामिल

अंबाला। थाना बलदेव नगर में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में आरोपी सौरभ को अदालत के आदेशानुसार शामिल जांच किया गया है। इस मामले के पीड़ित महिला ने 17 अक्तूबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 17 अप्रैल 2024 से 30 जून 2025 के दौरान आरोपी सौरभ व अन्य ने उसके पुत्र को विदेश भेजने के मामले में उससे एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधड़ी करने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

सीवरेज मेनहॉल की सफाई के लिए 18.50 लाख रुपये में खरीदी क्लीनिंग ग्रैब मशीनें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- श्रम मंत्री विज ने हरी झंडी दिखा सफाई कार्य के लिए रवाना किया

श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी में सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने व तंग गलियों में सीवरेज मेनहोल की सफाई प्रभावी तरीके से करने हेतु 18.50 लाख रुपये की लागत से दो "मेनहोल क्लीनिंग ग्रैब मशीनें" खरीदी गई है। मंत्री ने दोनों मशीनों को अपने आवास पर हरी झंडी दिखाते हुए शहर में सफाई कार्य के लिए रवाना किया। इस दौरान जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि तंग गलियों में सीवरेज साफ करने के लिए दो गाड़ियां लगाई गई हैं। जिन स्थानों पर सीवरेज सफाई के लिए बड़ी गाड़ी नहीं जा सकती वहां सीवरेज मेनहोल सफाई के लिए यह गाड़ियां कारगर साबित होगी। उन्होंने बताया कि छोटी गलियों में मेनहोल की सफाई के लिए हमें दिक्कत आती थी जहां बड़ी गाड़ियों से सफाई संभव नहीं हो पाती थी, मगर अब इन दोनों छोटी गाड़ियों के आने से सफाई बेहतर होगी। इस अवसर पर जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन हरभजन सिंह व अन्य मौजूद रहे। गौरतलब है कि मेनहोल क्लीनिंग ग्रैब मशीन हाइड्रोलिक बकेट लगा होता है। हाइड्रोलिक सिस्टम से मेनहोल में गंदगी को खींचकर ऊपर लाया जाता है। उसे मशीन पर ही फिक्स बकेट पर डाला जाता है। इस प्रक्रिया में पूरा कार्य मशीन के माध्यम से ही किया जाता है।

उपायुक्त ने रक्तदाओं को किया प्रोत्साहित, बोले-रक्तदान सबसे बड़ा दान

रक्त की पूर्ति केवल मानव शरीर से ही संभव: अजय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

- सुलाहकुल सत्संग परिसर में शिविर का आयोजन

उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने कहा कि रक्तदान जीवन का सबसे बड़ा दान हैं। रक्त की पूर्ति केवल मानव शरीर से ही सम्भव हैं। रक्तदान करके हम अमूल्य जिंदगियों को बचा सकते हैं। सुलाहकुल सत्संग संस्था द्वारा शनिवार को यहां पर आयोजित रक्तदान शिविर में बढ़चढक़र भाग लेना सराहनीय कार्य हैं। उपायुक्त ने यह अभिव्यक्ति साहा स्थित श्री साहिब दयाल द्वारा सुलाहकुल सत्संग परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर मे आयोजित अपने संबोधन में कहे। उपायुक्त ने संस्था द्वारा समाज सुधार व समाज सेवा के क्षेत्र में जो कार्य किए जा रहे है उसकी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे अन्य को भी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान का जो कार्य होता है उसे मैं वीरता का कार्य मानता हूं। भगवान ने हमारे अन्दर ही एक ऐसी चीज बनाई है जिससे शरीर में रक्त की पूर्ति होती है। प्रतिदिन लोगों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है और इस कार्य में लोग रक्तदान भी करते हैं। साईंस क्षेत्र की बात करें तो विशेषज्ञों द्वारा रक्त का विकल्प ढूंढने के लिए प्रयोगशालाओं में कई वर्षो से प्रयोग किए जा रहे है लेकिन अभी तक उन्हें इसमें कुछ खास सफलता नहीं मिली हैं। रक्त की पूर्ति केवल मानव शरीर से ही सम्भव है। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना काल में संस्था द्वारा समाज हित के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए आगे आकर जो कार्य किए गए है वह भी काबिले तारिफ हैं।

अंबाला। रक्तदाता को बैज लगाते डीसी अजय सिंह तोमर। फोटो : हरिभूमि

रक्तदाताओं को बैज लगाकर किया प्रोत्साहित

उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा आज यहां पर 500 यूनिट रक्त एकत्रित करने का लक्ष्य रखा है वह भी काफी सराहनीय है। लोग स्वेच्छा से आगे आकर रक्तदान का जो कार्य कर रहे हैं। उन्होंने संस्था को यह भी कहा कि वे इस कार्य को निरन्तरता में जारी रखे। जिला प्रशासन की जो भी सहायता उन्हें चाहिए होगी उन्हें उपलब्ध करवाई जाएगी। उपायुक्त ने इस मौके पर रक्तदान शिविर का रिबन काटकर शुभारंभ भी किया और रक्तदाताओं को बैज लगाकर उन्हें प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इस मौके पर संस्था से करनैल सिंह, जगतार, धर्मपाल, संदीप, एडवोकेट प्रवीन, विजय कुमार, नायब तहसीलदार हरिओम, ब्लड बैंक के इंचार्ज के साथ-साथ अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक रविवार 9 नवंबर 2025

हम सब जानते हैं कि देश-समाज का भविष्य हमारे नौनिहालों के हाथों में है। इसलिए उनके लालन-पालन से लेकर उनके समग्र विकास पर बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है। नए दौर में बच्चों के सामने कैसी चुनौतियां हैं, उन्हें किन स्तरों पर संघर्ष करना पड़ रहा है, इसे हमें समझना होगा। तभी उनका बचपन सुरक्षित होगा और उनके साथ देश-समाज का भविष्य भी बेहतर बन सकेगा।

हमारी सजगता से बच्चों को मिलेगा
सुरक्षित बचपन-बेहतर भविष्य

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

हर साल 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस पर भारत में बाल दिवस मनाया जाता है, जिसका पारंपरिक अर्थ रहा है- बच्चों की मासूमियत और जिज्ञासा को सहेजना। लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा कि जब से बाल दिवस शुरू हुआ था, तब से अब तक इसके भावनात्मक अर्थ पूरी तरह से बदल चुके हैं। कभी यह बच्चों को टॉफी देने, उनसे कार्यक्रम करवाने और स्टेज से उन्हें अच्छी-अच्छी बातें सुनाने का दिन हुआ करता था। लेकिन 21वीं सदी के इस 25वें साल में बाल दिवस का मतलब हर बच्चे को डिजिटल, मानसिक और पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित बचपन देना है।

बदल गए बाल दिवस के मायने

आज बच्चों से मुखातिब होने का मतलब उन्हें केवल शिक्षा और पोषण तक सीमित रखना नहीं है बल्कि आज के बच्चों का एक्सपोजर- एआई, सोशल मीडिया, मोबाइल एडिक्शन, जलवायु संकट और करियर को लेकर तरह-तरह के दबावों से घिरा हुआ है। आज बचपन के चारों तरफ नई-नई चुनौतियां हैं, जिन्हें शायद आज के चार दशक पहले के बच्चे जानते तक नहीं थे। इसलिए साल 2025 में बाल दिवस का वही मतलब नहीं है, जो 1970 या 80 में हुआ करता था। आज बाल दिवस का मतलब बच्चों को सुरक्षित, स्वतंत्र और खुशहाल इंसान बनाने का सपना ही नहीं बल्कि उन्हें उचित अवसर देना भी है। इसलिए आज यह दिन बच्चों को याद करने का नहीं, उनकी दुनिया को बेहतर बनाने का दिन है। आज यह दिन हममें उनके भविष्य के निर्माण के प्रति चिंता पैदा करता है। नई सदी की नई चुनौतियों के अनुरूप आज बच्चों के बचपन को संजोने से आगे बढ़कर उन्हें भविष्य के अनुरूप इंसान गढ़ने का दिन है।

कई दबावों से घिरा है बचपन

पंडित नेहरू बच्चों को देश का भविष्य मानते थे। उनका सोचना था कि अगर बच्चों को सही दिशा में सोचने, सवाल करने और सीखने की आजादी मिले तो वे आपकी कल्पना से भी ऊंची उड़ान भर सकते हैं। लेकिन हमने आजादी के बाद के पिछले 80 सालों में बचपन को फलने-फूलने के लिए एक खुला वातावरण देने की बजाय आज के बच्चों को प्रेशर कुकर पीढ़ी बना दिया। आज दस साल का बच्चा भी अपने करियर की उस तरह चिंता करता है, जैसी चिंता आजादी के तुरंत बाद के दिनों में 40 साल के अधेड़ भी नहीं करते थे। उस जमाने में बचपन का मतलब होता था- खेलना, बेफिक्र होकर जीना और जीवन की असफलताओं से गुजरकर सफलता की ओर बढ़ना। लेकिन आज स्थिति एकदम बदल गई है। ऐसा माहौल बन गया है जैसे आज जीवन में असफलता के लिए कोई जगह ही नहीं है। आज की तारीख में दस-बारह साल के बच्चे एक नहीं कई-कई क्षेत्रों में पारंगत बनने के लिए वैसी गंभीर ट्रेनिंग लेते हुए मिल जाएंगे, जैसे कभी वयस्क लिया करते थे।

बच्चों के बीच न पनपे असमानता

डिजिटल युग में बचपन की बाधाएं बिल्कुल अलग हैं। आज 27 करोड़ बच्चे इंटरनेट से जुड़े हुए हैं। अब किताबों से पहले उनके हाथ में स्मार्ट मोबाइल होते हैं, जबकि दूसरी तरफ बड़ी संख्या में ऐसे भी बच्चे हैं, जिन्हें जीवन की बुनियादी सुविधाएं भी हासिल नहीं हैं। ऐसे में भला देश के सभी बच्चे एक तरह से कैसे आगे बढ़ सकते हैं? यहां स्मार्ट फोन रखने वाले बच्चे ऑनलाइन शिक्षा, कोडिंग, डिजाइन और उद्यमिता के भविष्य का पाठ अपनी स्कूल की पढ़ाई के दौरान ही पढ़ना शुरू कर देते हैं, वहीं करोड़ों गांवों, कस्बों के बच्चों के लिए ये पाठ उनकी जिंदगी शुरू हो जाने के बाद भी मुश्किल से शुरू हो पाता है। इसलिए जरूरी है कि किसी भी तरह से व्यवस्था करके भारत में बच्चों के बीच असमानता की इस बड़ी खाई को पाटना होगा। आज बड़े पैमाने पर नई पीढ़ी को यह समझाने की जरूरत है कि अब डिजिटल साक्षरता केवल तकनीकी नहीं बल्कि उस मोड़ पर आ गई है, जहां इसे नैतिक शिक्षा का भी हिस्सा बनना चाहिए। बच्चों को आज यह बताना जरूरी है कि डिजिटल माध्यम उनके अच्छे भविष्य को संवारने का साधन मात्र है, साध्य नहीं।

भविष्य के लिए करना होगा तैयार

आज बाल दिवस के मौके पर हम बच्चों को कोई चीज समझाने के लिए रटाने की जिद नहीं कर सकते बल्कि उन्हें समस्या का हल निकालने का मैथड समझाना होगा, साथ ही नैतिक निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें भरनी होगी, ताकि वह भविष्य में सिर्फ रोजगार के क्षेत्र में ही सफल न हों बल्कि जीवन जीने के मामले में भी बेहद कामयाब हो सकें। आज बच्चों में पर्यावरणीय चेतना जगाना एक्स्ट्रा एक्टिविटी नहीं, न उनको विशेष बनाना है बल्कि यह जीने की जरूरी गतिविधि का हिस्सा है।

इसी तरह बच्चों में समानता और समावेशिता की सीख देना सिर्फ उन्हें बेहतर इंसान बनाने की कोशिश नहीं है बल्कि उन्हें आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में योग्य बने रहने का जरूरी गुण है और याद रखिए, आज के बच्चों को न तो पूरी तरह से घर की जिम्मेदारी पर छोड़ा जा सकता है और न ही मां-बाप उन्हें बेहतर इंसान और सफल नागरिक बनाने की सारी जिम्मेदारी स्कूलों पर डाल सकते हैं। यह स्कूलों और घरों के साझे अभियान का समय है। अगर हम बच्चों को भविष्य का सफल और शिष्ट नागरिक बनाना चाहते हैं, तो उन्हें आगामी चुनौतियों के लिए तैयार करना होगा। तभी बाल दिवस मनाना भी सफल होगा। *

बच्चों के तनाव को करें दूर

साल 2024 के एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण के मुताबिक आज हर सात में से एक बच्चा किसी न किसी तरह के मानसिक तनाव से गुजर रहा है। मोबाइल युग के पहले ऐसा खतरा दूर-दूर तक नहीं होता था। आज बच्चों के सामने परीक्षा का डर, सोशल मीडिया की चिंता और माता-पिता की उम्मीदों की धुकधुकी उन्हें सहज नहीं होने देती। अगर हम बच्चों को भविष्य का स्वस्थ और सफल इंसान बनाना चाहते हैं, तो हमें उनके स्वास्थ्य को लेकर सहानुभूति से सुनने की सोच बदलनी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग सेल, ओपन टॉक सेशन और इमोशनल लिट्रेसी प्रोग्राम लागू करने की बेहद जरूरत आन पड़ी है। आज बाल दिवस बड़ी शिद्दत से हमें याद दिलाता है कि बच्चों में भावनात्मक मजबूती, उनके सफल होने की बुनियादी शर्त है। साथ ही आज बदलते युग की जरूरतों में किसी न किसी कुशलता में दक्ष होना और अपनी गतिविधियों में वैल्यू एडिशन करने की क्षमता पाना भी जरूरी है। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि साल 2030 के बाद मशीनें सिर्फ मशीनें नहीं रहेंगी, वह इंसान से भौतिक प्रतिस्पर्धा करती नजर आएंगी। आने वाले दिनों में परंपरागत नौकरियां बदल जाएंगी। इसलिए आज की पीढ़ी को सीखना ही नहीं बहुत सतर्कता और सावधानी से अपनी क्रिएटिविटी और कोलेबरेशन की क्षमता को भी साथ-साथ बढ़ाना है।

विशेष: बाल दिवस
14 नवंबर

दायित्व
डॉ.अनिता राठौर

पैरेंट्स-टीचर्स जरूर समझें
बच्चों की जरूरतें-समस्याएं

हर साल मनाए जाने वाले बाल दिवस का आशय हमें इस बात का एहसास भी कराना है कि कैसे आने वाले समय में बच्चे अपनी कल्पना, मासूमियत और संवेदनशीलता को बरकरार रखते हुए आगे बढ़ सकें? लेकिन सवाल है क्या आज अभिभावक और अध्यापक सचमुच बच्चों के रोजमर्रा की जरूरतों को समझते हैं? क्या तकनीक के बदलाव के इस दौर के बच्चों की जुबान और उनके मन पर तेजी से पड़ रहे प्रभावों को वो समय के अनुरूप समझ पा रहे हैं और इसको ध्यान में रखते हुए उनके विकास की जरूरत की भाषा बोल-समझ पा रहे हैं?

बदलें अपनी मानसिकता: जिस तरह से इंटरनेट, सोशल मीडिया, स्मार्ट क्लास, डिजिटल गेम्स और जूम्स गैदरिंग ने आज की समूची जीवनशैली को बदलकर रख दिया है, उस जीवनशैली को आज की एक दशक पुरानी भाषा से न तो समझा जा सकता है और न ही व्यक्त किया जा सकता है। लेकिन सवाल है, क्या आज भी कई दशक पुराने अध्यापक जो हमारी शिक्षा व्यवस्था की बागडोर अपने हाथों से संभाले हुए हैं, उन्हें डिजिटल युग के इन बच्चों की अभिव्यक्ति की भाषा समझ में आती है? क्या वे उन्हें उनके अनुरूप भाषा में जवाब दे पा रहे हैं? यह सिर्फ अध्यापकों के समक्ष का सवाल नहीं है। सच तो यह है कि यह बात अभिभावकों पर भी पूरी तरह से लागू होती है। आज के बच्चों का बचपन सिर्फ खेल के मैदान में नहीं बल्कि खेल के मैदान में कम, स्क्रीन की रोशनी के बीच ज्यादा बीतता है। लेकिन उनके अधिकांश अभिभावक साथ ही अध्यापक भी आज भी 90 के दशक की उस मानसिकता में अटके हुए हैं, जहां बच्चों से उम्मीद की जाती है कि वे किताबों में डूबे रहें, अपनी क्लास में सबसे ज्यादा नंबर लाएं, बड़ों की बातों को बिना सवाल किए मानें और घर में जब रिश्तेदार आएं तो उनके सामने वे अपने मां-बाप और रिश्तेदारों द्वारा पूछे गए हर सवाल का जवाब गर्दन नीची करके दें।

बदल गई बच्चों की मनःस्थिति: आज के बच्चों की मनःस्थिति बिल्कुल बदल गई है। सच तो यह है कि आज के तेज रफ्तार विकास और चमत्कारिक हो चली तकनीकी के इस युग में उनके मनो-मस्तिष्क में जिज्ञासाओं और आशंकाओं की तेज रफ्तार के अंधड़ चल रहे हैं। फिर भी अभिभावक हों या अध्यापक, उनसे 90 के दशक के बच्चों की तरह ही अनुशासन और आज्ञाकारिता की मांग करते हैं। मां-बाप और स्कूल टीचर बच्चों को आज भी पुराने खांचे और सांचे में ढाले रखना चाहते हैं। आज के मां-बाप और अध्यापक इस बात को समझ ही नहीं रहे कि तेजी से आ धमके डिजिटल युग ने किशोरों की समूची मानसिक संरचना को बदल कर रख दिया है। आज 14 से 16 साल के बच्चे न सिर्फ भविष्य के अपने करियर को लेकर चिंतित हैं बल्कि अपने लाइफस्टाइल को लेकर भी उन पर अभी से दबाव है।

आज के बच्चे 'डिजिटल नेटिव्स' हैं यानी, ऐसी पीढ़ी जो तकनीक के साथ पैदा हुई है और समझती है कि उन्हें डांटने और रोकने की इजाजत भी मां-बाप के पास नहीं होनी चाहिए।

समझें नए दौर के बच्चों की जरूरतें: एक बड़ी समस्या यह भी है कि आज अभिभावक अपने बच्चों की ज्यादातर जरूरतों को भौतिक रूप ही समझते हैं। जैसे- उनका स्कूल अच्छा होना चाहिए, उनके पास अच्छी क्वालिटी का मोबाइल होना चाहिए, वो प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर या ट्यूटर से कोचिंग पढ़ें और उनके कपड़े अच्छे से प्रेस (इस्त्री) होने चाहिए। मां-बाप भूल जाते हैं कि बच्चों की इन सब चीजों के अलावा भी जरूरतें हैं। उनकी भावनात्मक और मानसिक जरूरतें। लेकिन यह सिर्फ मां-बाप की ही कहानी नहीं है, आज के अध्यापक भी भूल जाते हैं कि उनके छात्र, उनसे टेक्नोलॉजी में कुशलता के अलावा जीवन की कठिन गांठों को सुलझाने की उम्मीद भी रखते हैं। आज के किशोरों के दिल की बात सुनने वाला कोई नहीं है, न स्कूल में अध्यापक, न घर में मां-बाप।

जी लेने दें बच्चों को बचपन: आज अभिभावकों और अध्यापकों को ठहरकर इन बातों पर गौर करना चाहिए। ऐसे संक्रमण काल में यह जरूरी है कि अध्यापक और अभिभावक दोनों ही बच्चों के दिल की आवाज को गंभीरता से सुनें। आज भी बच्चों को उनकी रुचियों के मुताबिक जीने और बचपने का आनंद लेने की छूट दी जानी चाहिए, जिसके लिए जरूरी है कि अभिभावक और अध्यापक दोनों ही आज के बचपने की भाषा को गंभीरता से समझें, तभी इस सब कुछ की संभावना वाले युग में बच्चों का बचपन शानदार और खुशियों से भरा होगा। *

गजल
प्रताप सोमवंशी

वो सारा दर्द छुप जाता था जो घर-बार के अंदर
वही दिखने लगा है आज-कल अखबार के अंदर

वो घर के एक बूढ़े की तरह सबसे निभाता है
मुसीबत छह दिनों की छुप गई इतवार के अंदर

ये रिश्ते तौलना, गिनना, उठाना, देखना, रखना
ये हम परिवार के अंदर हैं या बाजार के अंदर

वहां रिश्तों की खिड़की पर है कितने कीमती पर्दे
घुटन महसूस होती है मुझे दीवार के अंदर

किसी को भी कभी शीशे के जैसे मत समझ लेना
बहुत चुभता है जब टूटा है कुछ किरदार के अंदर

भलाई सिर्फ इतना चाहती है सौंपकर सबकुछ
बदल जाए कहीं दुनिया में कुछ दो-चार के अंदर

बहुत मजबूत होते हैं ये मजबूरी के कांधे भी
जो पूरा गांव ढो कर रख गए बाजार के अंदर

व्यंग्य / विनय मोघे

मोबाइल का बवाल

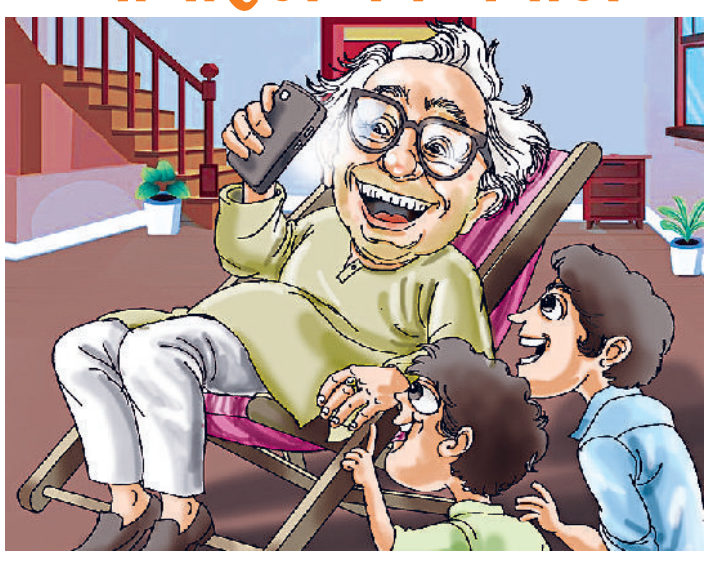

सत्तर वर्षीय ख्यालीराम का परिवार चिंतित है, क्योंकि ख्यालीराम ने अन्न-जल त्याग देने की घोषणा कर दी है। कारण यह है कि घरवालों ने उनका मोबाइल उनसे ले लिया है। अब उनका फेसबुक, व्हाट्सएप सब बंद है। दुनिया से उनका संपर्क टूट गया है, इसीलिए उन्होंने अन्न-जल से अपना, संपर्क तोड़ लेने की ठान ली है।

दरअसल, कुछ महीने पहले ही उनके बेटे ने उनके जन्मदिन पर उन्हें अच्छा वाला स्मार्टफोन दिलाया था। उनके पौत्रों ने उनके मोबाइल पर कई सारे एप्स डाउनलोड कर दिए थे। ख्यालीराम की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कांपते हाथों और कमजोर नजरों से ख्यालीराम उन एप्स का उपयोग करने लगे। बस यहीं से उनकी और उनके परिवार की परेशानी का सिलसिला शुरू हो गया।

पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो उनके कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। साथ ही में RIP की जगह दो बार PIP-PIP भी लिख दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए थे। हर बर्थ-डे और एनिवर्सरी पर सेम गलती करते या उनसे कोई और गलती हो जाती है। केक के चित्र की जगह या तो दूध की बोतल वाला चित्र भेज देते या कुत्ते को दी जाने वाली हड्डी का। बधाई संदेशों को खुद टाइप नहीं कर पाते तो कॉपी पेस्ट कर दिया करते। ऐसे में कभी एनिवर्सरी के उनके संदेश में अकसर पति-पत्नी की जोड़ी बदल जाती थी। पतियों को शायद उनका ऐसा करना अच्छा लगता हो पर पत्नियां नाराज हो उठती थीं। उनकी गलतियों से बचने के लिए उनके दोनों पौत्रों ने उन्हें वॉइस मैसेज भेजने का आइडिया सुझाया। एक बर्थ-डे पर उन्होंने जो वॉइस मैसेज भेजा, जिसमें सिर्फ उनके खांसने की आवाज और दो बार 'हे राम, ये खांसी तो मार ही डालेगी मुझे।' सुनाई दिया। पूरे मैसेज में बर्थ-डे का जिक्र कहीं नहीं हुआ।

फेसबुक पर अपने पुराने मित्रों, सहेलियों को ढूंढने के चक्कर में उनके नाम से मिलते-जुलते नाम वाले कई लोगों को अपना मित्र बना लिया था। कुछ ही दिनों में उनके मित्रों की कुल संख्या सैकड़ा पार कर गई थी, जिनमें असली मित्र बहुत ही कम थे। कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण उनके फेसबुक मित्रों की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही थी। एक दिन किसी ऑनलाइन शॉपिंग एप पर उनके कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण 43 इंच एलईडी टीवी ऑर्डर हो गया, वो भी 'कैश ऑन डिलीवरी।' जिस दिन यह घटना हुई, उसी दिन घरवालों ने उनसे मोबाइल वापस ले लिया। मोबाइल के आदी हो चुके ख्यालीराम अब अन्न-जल के बिना रह सकते हैं पर मोबाइल के बिना नहीं। घरवाले सोच रहे हैं, उन्हें अन्न-जल दें या मोबाइल? *

पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो ख्यालीराम के कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए।

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

जीने का रास्ता दिखाती कहानियां

समय के साथ बहुत कुछ बदल गया है। इस बदलाव की सबसे बड़ी मार परिवार, रिश्ते, नाते और हमारी संवेदनाओं पर पड़ी है। हर किसी की जिंदगी में हर दिन कुछ ना कुछ टूट रहा है, बिखर रहा है। तकनीक की तरक्की ने दूरियों को और बढ़ाने का काम किया है। इन्हीं दूरियों, बिखराव और भटकाव के बीच जीने का रास्ता तलाशती हैं 'पा की डायरी' की कहानियां। इस पुस्तक की लेखिका आशा शर्मा हैं। लेखिका अपनी इन कहानियों में एक स्वप्न बुनती हैं। स्वप्न जिसमें परिवार का साथ, रिश्तों में नमी व स्त्री की स्वतंत्रता हो। शीर्षक कहानी 'पा की डायरी' दांपत्य प्रेम की अनूठी बानगी है। एक डायरी जो जीवन भर पत्नी को परेशान करती रही। पति के मृत्यु के बाद उसका रहस्य खुलता है, जो पत्नी को हैरान कर देता है। 'दिमाग वाली लड़की' आज की आत्मचेता स्त्री के स्वाभिमान की कहानी है। 'अधबुना स्वेटर' में लेखिका ने रिश्तों की गर्माहट की बड़ी आत्मीय कहानी लिखी है। 'प्रतिरूप', 'पिघलती बर्फ', 'जी ले जरा' आदि कहानियां भी जीवन के उतार-चढ़ाव को खूबसूरती से उकेरती हैं। कह सकते हैं कि ये आज के जटिल समय की कहानियां हैं। मगर लेखिका ने इसे बड़े सरल तरीके से लिखा है। बिल्कुल सुलझे अंदाज में। *

पुस्तक: पा की डायरी (कहानी संग्रह),
लेखिका: आशा शर्मा, **मूल्य:** 260 रुपए,
प्रकाशक: समृद्ध पब्लिकेशन, दिल्ली

एआई इमेज

लघुकथा / बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

बड़ा आदमी

सुभाष के बारह वर्षीय बेटे राहुल ने मचलते हुए कहा, 'पापा, मुझे बड़ा आदमी बनना है।'

'इस सीढ़ी पर चढ़कर बैठ जा।' सुभाष ने दीपावली की सफाई के लिए निकाली गई सीढ़ी की ओर इशारा करते हुए मजाकिया ढंग से कहा।

राहुल भी हंसी-हंसी में सीढ़ी के तीन डंडों पर चढ़कर ऊपर बैठ गया।

पिता ने पहले अपने और फिर उसके सिर पर हाथ ले जाते हुए बताया, 'देखो, अब तुम मुझसे भी बड़े हो गए। ध्यान दो, तुम एक-एक सीढ़ी चढ़ते हुए बड़े बने हो।'

राहुल ने शिकायती लहजे में कहा, 'ऐसे नहीं, मुझे सचमुच का बड़ा आदमी बनना है।'

'इसके लिए तुम्हें अपने ही आस-पास के किसी बड़े आदमी को ढूंढना होगा, उसके समीप रहना होगा और फिर उसके जैसा बनने की कोशिश भी करनी होगी।'

राहुल ने सवाल किया, 'लेकिन कोई बड़ा आदमी है, मैं कैसे पहचानूंगा?'

'हां, यह समस्या तो है। पहले के समय में पहचान का तरीका अलग था। कोई सज्जन होता था, ज्ञानी होता था, समाज के हित के लिए काम करता था तो उसे बड़ा आदमी माना जाता था। आज के जमाने में किसी व्यक्ति के आस-पास के लोगों को व्यवहार देखकर यह जाना जाता है।' सुभाष ने बताया।

'उस व्यक्ति के बजाय उसके आस-पास के लोगों का व्यवहार देखकर पहचाना जाएगा कि वह कितना बड़ा आदमी है?' राहुल ने आश्चर्य से पूछा।

'हां!' पिता सुभाष ने मुस्कराते हुए जवाब दिया, 'कोई आदमी कहीं पहुंचे तो उसे आता देखकर वहां बैठे सारे लोग खड़े हो जाएं, वह आकर बैठ जाए तो सभी बैठ जाएं, वह आदमी चलने के लिए उठकर खड़ा हो तो शेष लोग भी खड़े हो जाएं, उसे छोड़ने बाहर तक जाएं, तब समझो कि वह बड़ा आदमी है।' *

सेलिब्रेशन / शिखर चंद जैन

अपने भारत देश में तो बाल दिवस 14 नवंबर को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ प्रत्येक वर्ष 20 नवंबर को बाल दिवस मनाता है। लेकिन दुनिया के तमाम देशों में अलग-अलग महीनों/दिनों में बाल दिवस अनोखे अंदाज में मनाया जाता है। इनमें से कुछ देशों में कैसे मनाते हैं बाल दिवस, जानिए।

दुनिया भर में मनाते हैं बाल दिवस

बच्चों को पूरी दुनिया में प्यार किया जाता है। यही वजह है कि दूसरे दिवस भले ही दुनिया में हर जगह न मनाए जाते हों लेकिन चिल्ड्रेंस-डे दुनिया के लगभग हर देश में मनाया जाता है। दिलचस्प बात यह है कि साल के हर महीने में कहीं ना कहीं चिल्ड्रेन-डे मनाया जाता है। दुनिया भर में 90 से ज्यादा देशों में बच्चों के सम्मान में एक समर्पित राष्ट्रीय अवकाश है। इस अवकाश को बाल दिवस के नाम से जाना जाता है। आइए जानते हैं, दुनिया के कुछ देशों में कैसे मनाते हैं बाल दिवस-

कोडोमो नो हि जापान

जापान में, बाल दिवस हर वर्ष 5 मई को मनाया जाता है। सन 1948 से यह राष्ट्रीय अवकाश है। इसे दो त्योहारों के रूप में मनाया जाता था, टैंगो नो सेक्कु (लड़कों का दिन) और हिनामात्सुरी (लड़कियों का दिन)। जापान में बाल दिवस मनाने का सबसे प्रसिद्ध तरीका काबूतो और गोगात्सु-निंग्यो जैसे पारंपरिक आभूषणों को प्रदर्शित करना होता है। काबूतो एक पारंपरिक समुराई हेलमेट है, जो अकसर सबसे सुंदर सजावट के साथ होता है। गोगात्सु-निंग्यो कवच और जापानी तलवार से सुसज्जित जापानी योद्धा गुड़िया का प्रतीक है। लोग उन्हें घर पर प्रदर्शित करते हैं। 'कोडोमो नो हि' यानी बाल दिवस जापान में एक राष्ट्रीय अवकाश है। कोइनोबोरी नामक रंगीन झंडे उत्सव के विशेष प्रतीक हैं, जिन्हें इस दिन घरों के बाहर खंभों पर लटकाए जाते हैं। जापानी में, कोइ का मतलब कार्प होता है। यह एक प्रकार की मछली है, जो शक्ति और दृढ़ता का प्रतीक है और नोबोरी का मतलब है ऊपर उठना। बाल दिवस के अवसर पर टोक्यो के राष्ट्रीय कासुमीगाओका स्टेडियम में बच्चों का ओलंपिक भी आयोजित किया जाता है, जिसमें हजारों बच्चे और उनके अभिभावक दौड़ में भाग लेते हैं।

डिया डेल निनो मेक्सिको

मेक्सिको में बाल दिवस की शुरुआत सन 1925 में हुई थी। इस उत्सव की शुरुआत अल्वारो ओब्रेगॉन के राष्ट्रपति काल के दौरान हुई थी, जब प्रथम विश्व युद्ध से प्रभावित यहां के कमजोर बच्चों के कल्याण की योजनाएं बनाई जा रही थीं। मेक्सिको में बाल दिवस 30 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिन बच्चे स्कूल जाते हैं, लेकिन रेग्युलर क्लास नहीं चलती। सारा दिन खेल खेलने, पिनाटा बनाने और तोड़ने, संगीत का आनंद लेने और बहुत सी मजेदार एक्टिविटीज करने में व्यतीत होता है। स्कूल के बाद, परिवार अपने बच्चों को संग्रहालयों, सिनेमाघरों और चिड़ियाघरों जैसी जगहों पर घुमाने ले जाते हैं, जहां आमतौर पर उस दिन बच्चों के लिए निःशुल्क प्रवेश होता है। कुछ रेडियो और टेलीविजन प्रोग्राम होस्ट करने वाले बच्चों को अपने शो में बुलाते हैं।

यूरिनी नाल, दक्षिण कोरिया

दक्षिण कोरिया में बाल दिवस पर्व को राष्ट्रीय अवकाश होता है। इस दिन आयोजित होने वाले समारोहों में परेड, तमाशा, पार्टियां, पिकनिक और ताइक्वांडो प्रदर्शन शामिल हैं। इस सूची में पर्वतीय पद यात्राएं, नदी किनारे तंबू लगा कर रहने और मौज मस्ती करने जैसी गतिविधियां भी शामिल हैं। इस मौके पर बच्चे पारंपरिक कपड़े पहनते हैं और परिवार के साथ संग्रहालयों, पार्कों में मस्ती करने और फिल्म देखने जाते हैं। कई जगहों पर इस खास दिन के लिए बच्चों को निःशुल्क प्रवेश दिया

जाता है। इस दिन बच्चे दक्षिण कोरियाई शिल्प की वस्तुएं बनाते हैं, जैसे कि हाथ में पकड़ने वाला सोगो ड्रम, कमल का लालटेन या सैम ता, गुक पंखा। इस अवसर पर चावल से बने कोरियाई व्यंजन, पारंपरिक खाद्य पदार्थ जैसे मांडू (मांस और सब्जियों से बना पकौड़ा) कुजुलपैन (पैनकेक के अंदर लपेटे गए मांस और सब्जियों के स्ट्रिप्स), सोलोंगटैंग, चावल के केक जो आधे-चंद्रमा के आकार के होते हैं आदि का लुत्फ भी उठाया जाता है।

लिउयी गुओजी एर्तोंग जिए चीन

चीन में बाल दिवस सन 1949 से मनाया जा रहा

है। यहां इसे हर वर्ष 1 जून को मनाया जाता है। कुछ स्कूलों में, इसे बच्चों को समर्पित विशेष प्रदर्शनों के साथ मनाया जाता है। कई पर्यटक केंद्रों पर इस दिन बच्चों के लिए प्रवेश पर कुछ छूट दी जाती है या पूरी तरह से निःशुल्क प्रवेश दिया जाता है। चीन में इस दिन अधिकतर परिवार अपने बच्चों के साथ समय बिताते हैं और पसंदीदा भोजन बनाते, खाते हैं।

ते रा ओ नगा तामारिकी न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड में बाल दिवस को 'ते रा ओ नगा तामारिकी' के नाम से जाना जाता है और यह हर साल मार्च के पहले रविवार को मनाया जाता है।

इस दिन वहां पूरे देश में मजेदार सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनमें खेल, कार्निवल की सवारी, भोजन, पारंपरिक हाका नृत्य और बहुत कुछ शामिल होता है। k

अपने देश में मनाते हैं चाचा नेहरू का जन्मदिन

हमारे देश में 14 नवंबर को देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। वे बच्चों में चाचा नेहरू के नाम से लोकप्रिय थे। इससे पहले सन 1964 तक बाल दिवस 20 नवंबर को मनाया जाता था। दरअसल, सन 1954 में संयुक्त राष्ट्र ने 20 नवंबर को बाल दिवस के तौर पर मनाने का ऐलान किया था, जिसके चलते हर साल 20 नवंबर को ही बाल दिवस मनाया जाता था। लेकिन 1964 में जवाहर लाल नेहरू के निधन के बाद बाल दिवस भारत में 14 नवंबर को मनाया जाने लगा। इस दिन बच्चों के लिए सभी स्कूलों में मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्हें तरह-तरह के खेल खिलाए जाते हैं और गिफ्ट भी दिए जाते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में कई जगह राज्य सरकारें भी अपने स्तर पर बच्चों के लिए कार्यक्रम आयोजित करती हैं।

बिहार के सोनपुर में सदियों से लगने वाले पशु मेले की वैश्विक ख्याति और इसका आकर्षण बरकरार है। आज से शुरू हो रहा यह मेला 10 दिसंबर तक चलेगा। इस मेले की खासियतों पर एक नजर।

बरकरार है सोनपुर मेले का आकर्षण

सांस्कृतिक उत्सव

धीरज बसाक

आज का दौर इंटरनेट, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डिजिटल पेमेंट और ई-कॉमर्स का है। यहां तक कि लोग अब पालतू पशुओं की खरीदारी के लिए भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे समय में भी बिहार का सोनपुर पशु मेला सदियों से न सिर्फ आज भी लग रहा है बल्कि उसका पहले की तरह आकर्षण भी बरकरार है, जो इस मेले की आर्थिक और सांस्कृतिक महत्ता को खुद ही बखान कर रहा है।

लोकजीवन की जड़ों से जुड़ा मेला: सोनपुर का पशु मेला न केवल पशुओं की खरीद-फरोख्त की दृष्टि से एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला है बल्कि यह धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक और पारिस्थितिकी दृष्टि से भी विशिष्ट आयोजन है, जिसकी चमक सदियों से बरकरार है। इस मेले में पशुओं का व्यापार तो

होता ही है, अपितु यह भक्ति, संस्कृति और लोक परंपराओं का भी महाकुंभ है। यह मेला बिहार ही नहीं, पूरे भारत की ग्रामीण आत्मा और उसकी जीवनशैली का प्रतिनिधित्व करता है।

सदियों से लग रहा मेला: सोनपुर के पशु मेले का इतिहास 2,000 साल पुराना है। माना जाता है कि कृषि एवं अन्य कार्यों के लिए उपयोगी पशुओं की खरीद-बिक्री यहां मौर्य काल से होती आ रही है। गंगा और गंडक नदियों के संगम पर सोनपुर में लगने वाला यह मेला अपने पीछे कई पौराणिक आख्यानों की थाती समेटे हुए है, तो ग्रामीण जीवन की परंपरा का सबसे विश्वसनीय स्रोत भी है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार: सोनपुर का पशु मेला भारत की पारंपरिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक बड़ा केंद्र है। इस मेले में गाय, भैंस, बैल, घोड़े, ऊंट और हाथी बिकते हैं। कभी यह एशिया का सबसे बड़ा हाथी बाजार हुआ करता था। हालांकि आज यह हाथी बाजार बहुत छोटा और विरासत के रूप में ही मौजूद है। यह मेला स्थानीय किसानों और पशु पालकों के लिए कमाई का एक बड़ा अवसर होता है। हाल के सालों में बिहार सरकार ने इसे 'एग्रीकल्चर एंड लाइवस्टॉक केयर' के रूप में विकसित किया है।

परंपरा का डिजिटलीकरण: सोनपुर पशु मेला अब भौतिक रूप में तो लगता ही है, इसका एक बड़ा और व्यापक डिजिटल संस्करण भी मौजूद है। बिहार पर्यटन विभाग की वेबसाइट, सोशल मीडिया एकाउंट और ऑनलाइन बुकिंग सुविधाओं के जरिए देशभर के लोग इस मेले से न केवल डिजिटल दुनिया में रू-ब-रू होते हैं बल्कि वो डिजिटल तरीके से खरीद-फरोख्त भी करते हैं। एक तरह से यह डिजिटल और पारंपरिक लोकजीवन का संगम बन गया है।

लोक-संस्कृति की झलक: इस मेले में देश-विदेश के लाखों पर्यटक, किसान और व्यापारी सिर्फ घूमने, खरीदने-बेचने के लिए ही नहीं आते, बल्कि इस मेले की सांस्कृतिक आत्मा को जीने के लिए भी आते हैं। इस सदियों पुराने पशु मेले में आज भी हर तरफ लोक-नृत्यों, लोकगीतों, नुक्कड़ नाटकों, हस्तशिल्प और लोकभोजनों का खुशबू भरा आकर्षण मौजूद होता है। वास्तव में इस मेले में आकर हम एक ऐसे ग्रामीण भारत से रू-ब-रू होते हैं, जिसकी चमक और खनक आज भी पूरी दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित करती है। विदेशी पर्यटकों के लिए तो यह पशु मेला भारत की ग्रामीण संस्कृति का 'ओपन एयर म्यूजियम' की तरह है। बिहार सरकार सोनपुर मेले को हेरिटेज टूरिस्ट प्लेस के रूप में भी प्रमोट करती है, जिससे स्थानीय लोगों की आय में इजाफा होता है और वैश्विक स्तर पर भारत की सांस्कृतिक पहचान मजबूत होती है।

सामाजिक-सांस्कृतिक जुड़ाव का अवसर: सोनपुर का मेला सिर्फ व्यापार मेला नहीं बल्कि विभिन्न समुदायों के मिलने-जुलने,

रिश्ते बनाने और अनुभव साझा करने का मंच भी है। इसलिए ग्रामीण समाज में यह मेला सामाजिक बंधन और लोकसंवाद की परंपरा को भी प्रोत्साहित करता है। आज जब पूरी दुनिया में वर्चुअल आयोजनों की भरमार है, ऐसे समय में सोनपुर का यह लोक मेला वास्तविक सामाजिक जुड़ाव का अनुभव देता है। यहां किसान, व्यापारी, शिल्पकार, संगीतकार और लोक-कलाकार सब मिलकर आम नागरिक जीवन की सतरंगी तस्वीर पेश करते हैं। यही वजह है कि आज के इस डिजिटल युग में भी सदियों से आयोजित हो रहे सोनपुर के पशु मेले का आकर्षण जरा भी कम नहीं हुआ है। k

गाइडेंस

कीर्तिशेखर

किसी एक उम्र तक ही सीरियस होकर सफल करियर नहीं बनाया जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि हर एज की जरूरत के अनुसार करियर को सही दिशा दी जाए।

सक्सेसफुल करियर के लिए हर एज में सीरियस होना जरूरी

जीवन में कामयाब करियर हासिल करने के लिए सही समय क्या होता है, जब हमें इसके लिए गंभीर हो जाना चाहिए? इसके अलग-अलग जवाब हो सकते हैं। अगर हमें जीवन में अपने कामयाब करियर के लिए सजग रहना है तो जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों में अलग-अलग तरह की सजगता बहुत जरूरी है ताकि उनके साझे नतीजे में हमारा शानदार-कामयाब करियर बने।

स्कूल टाइम (10 से 16 साल): यह वह उम्र होती है, जब कोई भी छात्र अपनी पढ़ाई, पढ़े जाने वाले विषय और उन विषयों में अपनी रुझान पहचानना शुरू करता है। इस उम्र में भविष्य के कामयाब करियर के लिए सजग हो जाना जरूरी है। क्योंकि उसी के मुताबिक आपको आगे अपने पढ़े जाने वाले विषयों की स्ट्रीम (आर्ट, कॉमर्स, साइंस) तय करना होता है और जिसमें बेहतर रुझान होता है, उसी दिशा में आगे करियर विकल्प पर फोकस करना होता है। इसलिए इस उम्र में जरूरी है- पढ़ने की आदत और अनुशासन विकसित करना। आप अपनी स्ट्रीम के मुताबिक अपनी रुचि को पहचानिए और उसे उस समय के हिसाब से विकसित करने की कोशिश करें। क्योंकि उम्र का यही वह पड़ाव होता है, जब हमारे जीवन के कामयाब करियर की नींव पड़ती है।

कॉलेज/स्नातक (16 से 23 साल): करियर के लिए हमारी जिंदगी में असली और सर्वाधिक सीरियस होने का यही समय होता है, क्योंकि इसी

समय हमें डिग्री मिलती है और डिग्री के साथ-साथ हम स्किल डेवलपमेंट, इंटर्नशिप या अपने ड्रीम करियर के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। इस समय करियर को लेकर सर्वाधिक गंभीरता की इसलिए भी जरूरत पड़ती है, क्योंकि इस उम्र में हममें सबसे ज्यादा ऊर्जा होती है। इसी उम्र में हमारे पास असफल होकर दोबारा से नए सिरे से करियर शुरू करने का हौसला रहता है।

युवावस्था (23 से 30 साल): यह करियर शुरू हो जाने के बाद उसे स्थिरता प्रदान करने का समय होता है। क्योंकि अब वास्तव में करियर शुरू हो चुका होता है और उसे मजबूत और स्थिर बनाना हमारे हाथ में होता है। इसलिए इस उम्र में हमें

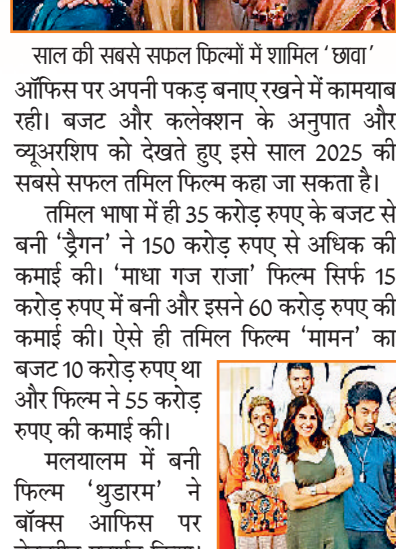

ज्यादा से ज्यादा अपने करियर के इस मोड़ पर फोकस करना चाहिए। उम्र के इस पड़ाव पर हमें सिर्फ करियर के लिए पढ़ाई पर ही ध्यान नहीं देना होता बल्कि नेटवर्किंग, अनुभव और सही अवसर पकड़ने की कोशिश पर होता है। क्योंकि अगर 23 से 30 के बीच हमारे करियर की दिशा अच्छी तरह से तय हो गई, तय होने के साथ-साथ इस दिशा में अगर हमने अपने आपको मजबूती से जमा लिया, तो आगे विकास और पदोन्नति आसान हो जाती है। यही वह उम्र है, जब हम एक करियर में रहते हुए इनकी मजबूती से तैयारी करते हैं। इसी उम्र में स्टार्टअप शुरू करना, अपने विषय विशेष पर रिसर्च करना या जॉब के साथ फ्रीलांसिंग के

अवसर पकड़ना होता है। इसलिए उम्र का यह पड़ाव भी करियर के लिहाज से इंपॉर्टेंट होता है।

स्थिरता-विकास (31 से 40 साल): 31वें साल से लेकर 40वें साल तक हम अपने करियर को स्थिरता प्रदान करते हुए उच्च विकास की ओर आगे बढ़ते हैं। इस दौरान कई बार हमें पीएचडी की पढ़ाई करनी होती है। जॉब में लीडरशिप पाने के लिए मैनेजमेंट कोर्स या इंटरनेशनल सर्टिफिकेशन की पढ़ाई करनी होती है। कुल मिलाकर इस उम्र में हम अपने करियर को मजबूती देकर विशेषज्ञता की ओर बढ़ते हैं और नेतृत्व हासिल करते हैं। इसलिए करियर के लिहाज से उम्र का यह पड़ाव हमारे लिए महत्वपूर्ण होता है कि इस समय तक हमारे क्षेत्र विशेष में हमारी प्रोफेशनल पहचान बनने लगती है और हममें अपने क्षेत्र में स्थिरता हासिल करना जरूरी हो जाता है।

अनुभव का पूंजीकरण (40 साल के बाद): उम्र के इस पड़ाव में हमें अपनी अब तक की मेहनत के कई सुफल मिलते है। लेकिन कई बार हमें इस उम्र में अपना टेक्नोलॉजी स्किल बदलने नए सिरे से अपनी पढ़ाई में कुछ और जोड़ना होता है। इसके लिए भी तैयार रहना चाहिए। k

सिने ट्रेंड / डी. जे. नंदन

जरूरी नहीं कि जिस फिल्म का बजट ज्यादा होगा, उसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी जानदार होगा। कई बार लो बजट में बनी फिल्में भी कमाई के मामले में कमाल कर जाती हैं। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में बनी कुछ ऐसी फिल्मों पर एक नजर।

बजट रहा लो-किया हाई कलेक्शन

इस साल भारतीय सिनेमा में बड़े बजट की फिल्मों ने ही नहीं बल्कि छोटे बजट की अच्छी कहानियों पर बनी फिल्मों ने भी कमाल कर दिखाया। कम बजट में बनने वाली कई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई तो की ही, फिल्म की कहानी और संगीत ने भी लोगों के दिलों को छुआ। मतलब साफ है, अब दर्शक ऐसी फिल्में देखना पसंद करते हैं, जिसकी कहानी उनके दिल को छू जाए और उन्हें एकबारगी सोचने पर मजबूर कर दे।

कम बजट में बड़ी सफलता: इस साल महज 45 करोड़ रुपए के बजट से बनी, फिल्म 'सैयारा' 500 करोड़ रुपए से अधिक का बिजनेस चुकी है। इस फिल्म की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि दर्शकों को बड़े-भव्य सेट्स और महंगे लोकेशन वाली फिल्में ही नहीं, अच्छी कहानी और अच्छे संगीत पर आधारित फिल्में भी खूब पसंद आती हैं। न्यू कमर्स अहान पांडे और अनीता पड्डा को इस फिल्म ने रातों-रात स्टार बना दिया। 'सैयारा' से पहले विकी कौशल की फिल्म 'छावा' ने वर्ल्डवाइड लगभग 808 करोड़ रुपए की कमाई की थी। महज 90 करोड़ रुपए के बजट में बनी 'छावा' साल 2025 की सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनी।

आमिर खान की 'सितारे जमीं पर' ने भी बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसने लगभग 300 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। राजकुमार राव अभिनीत 'भूलचूक माफ' महज 45 करोड़ रुपए के बजट से बनी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 90 करोड़ रुपए से भी ज्यादा की कमाई की थी।

'हाउसफुल 5' का उम्मीद से कम रहा कलेक्शन

बड़े बजट के बावजूद नहीं मिली सफलता: इस साल बड़े बजट की कई फिल्मों को लेकर कयास लगाए जा रहे थे कि वो बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित होंगी। लेकिन इन बिग बजट फिल्मों ने निराश ही किया। अक्षय कुमार की 'स्काई फोर्स' खास कमाई नहीं कर पाई। सनी देओल की 'जाट' उम्मीद से काफी कम चली। सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' भी कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। शाहिद कपूर की फिल्म 'देवा', जो की मलयालम फिल्म की रीमेक है, नहीं चल पाई। कंगना रानोट की 'इमरजेंसी' से भी सफलता दूर ही रही। मल्टी स्टारर फिल्म 'हाउस फुल-5' अपना बजट निकालने में तो कामयाब रही, लेकिन फिल्म उम्मीद के मुताबिक मुनाफा नहीं कमा पाई।

'सैयारा' को मिली शानदार सफलता

अन्य भारतीय भाषाओं की सफल फिल्में: हिंदी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं में बनी फिल्मों पर नजर डालें तो क्षेत्रीय भाषाओं में बनी कई लो बजट फिल्मों ने कमाल की सफलता पाई। तमिल फिल्मों की बात करें तो सिर्फ 7 करोड़ रुपए के मामूली बजट में बनी तमिल फिल्म 'टूरिस्ट फैमिली' ने दुनियाभर में 100 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की है। यह फिल्म पांच सप्ताह तक लगातार बॉक्स

साल की सबसे सफल फिल्मों में शामिल 'छावा'

ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखने में कामयाब रही। बजट और कलेक्शन के अनुपात और व्यूअरशिप को देखते हुए इसे साल 2025 की सबसे सफल तमिल फिल्म कहा जा सकता है।

तमिल भाषा में ही 35 करोड़ रुपए के बजट से बनी 'ड्रैगन' ने 150 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की। 'माधा गज राजा' फिल्म सिर्फ 15 करोड़ रुपए में बनी और इसने 60 करोड़ रुपए की कमाई की। ऐसे ही तमिल फिल्म 'मामन' का बजट 10 करोड़ रुपए था और फिल्म ने 55 करोड़ रुपए की कमाई की।

मलयालम में बनी फिल्म 'थुडारम' ने बॉक्स आफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन किया। लगभग 50 करोड़ रुपए के बजट वाली इस फिल्म ने 235 करोड़ रुपए के आस-पास कमाई की। मलयालम भाषा की ही फिल्म 'रेखा चित्रम' सिर्फ 10 करोड़ रुपए के बजट से बनी थी। फिल्म ने उम्मीद से ज्यादा लगभग 60 करोड़ रुपए की कमाई की। ऐसे ही 'अलप्पाबुझा जिमखाना' 12 करोड़ रुपए के

तमिल फिल्म 'टूरिस्ट फैमिली' ने किया कमाल

बजट से बनी और लगभग 70 करोड़ रुपए की कमाई की।

तेलुगू भाषा की फिल्म 'संक्रांतिकी वस्थुनम' 50 करोड़ रुपए के बजट से बनी और फिल्म ने लगभग 260 करोड़ रुपए की कमाई की।

दर्शकों को प्रभावित करती है कहानी: छोटे बजट की इन भारतीय फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन यह संकेत करता है कि फिल्म का बजट और स्टारकास्ट भले ही मायने रखते हैं, लेकिन फिल्म की कहानी और उसकी प्रस्तुति भी दर्शकों को खींचने और उन्हें बांधे रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बड़े बजट की फिल्मों का कम चलना और लो बजट फिल्मों का शानदार प्रदर्शन निर्माता-निर्देशकों के लिए भी सबक है कि वे स्टार पावर के अलावा कहानियों और उसके प्रस्तुतिकरण पर भी ध्यान दें। भले ही कम बजट में फिल्में बनाएं, लेकिन अच्छी फिल्में बनाएं। k

'सितारे जमीन पर' ने भी की बढ़िया कमाई